आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 19 नवंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 20

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

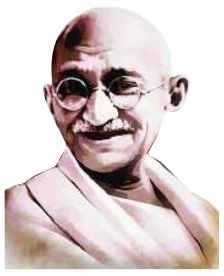

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

धड़ल्ले से बिक रही दिल्ली की गाड़ियां

पेज-2

फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज

पेज-5

अंकसूची में बढ़ा रही सिक्यूरिटी फीचर

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- आंध्र प्रदेश : पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर किए 7 नक्सली
- बिहार : नीतीश कुमार कल गांधी मैदान में लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ
- बेंगलुरु की विशेष अदालत ने पास्को मामले में बीएस येदियुरप्पा को समन भेजा
- कोलंबो में खराब मौसम के कारण 2 इंटरनेशनल फ्लाइट तिरुवनंतपुरम डायवर्ट
- संभल में हरिहर सेना ने किया विवादित जामा मस्जिद की परिक्रमा का ऐलान, पुलिस प्रशासन अलर्ट
- कन्नौज : लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराकर पलटी बस, 40 यात्री घायल
- पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

ई-रिक्शा बनी इंदौर के ट्रेफिक की नई बीमारी

ई-रिक्शे को लेकर सारे प्लान कागजों पर, नहीं दिख रहा असर सड़कों पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आए दिन के हादसों और रोज लगते जाम के बीच करीब 12 हजार ई-रिक्शे शहर में ट्रेफिक और व्यवस्था के लिए चुनौती बने हुए हैं। ये प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के ट्रेफिक का दम घोंट रहे हैं, लेकिन करीब एक साल से ई-रिक्शों को व्यवस्थित करने का प्रशासन का प्लान जमीन पर नहीं उतर पाया है।

इंदौर की सबसे व्यस्ततम सड़क एमजी रोड, जवाहर मार्ग, सुभाष मार्ग, एबी रोड समेत अहम सड़कों पर बेतरतीब ई-रिक्शा की पार्किंग और बिना किसी रूट के चलाने के आदेश को धता बताते हुए अब ई-रिक्शा की सवारी शहर के पहले से ही बदहाल ट्रेफिक को चौपट करने में लगी हुई है। प्रशासन, ट्रेफिक पुलिस और आरटीओ बार-बार की बैठकों में अनेकों आदेश जारी करते हैं, लेकिन धरातल पर इसका पालन होता नहीं दिख रहा है। शहर के मध्य राजवाड़ा की सड़क पर नो-एंट्री सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गई है, और शहर की सड़कों पर हालात जस के तस बने हुए हैं। सभी नो-एंट्री जोन में धड़ल्ले से ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। वहीं कार्रवाई न होने से पीक ऑवर्स में जाम की समस्या बनती है।

गौरतलब है कि शहर में अनेक स्थानों पर ट्रेफिक पुलिस की मौजूदगी के बाद भी ई-रिक्शा चालक खुलेआम नियमों का उल्लंघन करते हैं। सूत्रों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस मौजूद तो रहती है, लेकिन उनका ध्यान सिर्फ चालानी कार्रवाई में रहता है। ई-रिक्शा चालक सड़क पर रिक्शा लगाकर सवारी भरते हैं। जिससे पीछे जाम लगने लगता है।

यह भी होना था-ई-रिक्शा के संचालन की नई पॉलिसी में रजिस्ट्रेशन और परमिट अनिवार्य करने, कलर कोडिंग और जोनिंग व्यवस्था लागू करने की योजना थी। शहर को विभिन्न जोन में विभाजित जाना था, प्रत्येक जोन के लिए एक विशिष्ट रंग कोड निर्धारित होगा। ई-रिक्शा को उनके निर्धारित मार्गों को दर्शाने के लिए रंगीन स्टिकर या पट्टियां आवंटित की जाएंगी।

कागजों में ही सिमटा ड्राफ्ट

इंदौर में यातायात की समस्याओं और ई-रिक्शा चालकों की अव्यवस्थाओं के चलते ट्रैफिक पुलिस ने एक ड्राफ्ट तैयार किए जाने की बात कही थी। सूत्रों के अनुसार इस ड्राफ्ट में ई-रिक्शा के लिए कुछ रूट निर्धारित किए जाने थे, वाहनों की सवारी को लेकर पाबंदी तथा इनके लिए पार्किंग की व्यवस्था किए जाने का उल्लेख था, किन्तु न तो ट्रेफिक पुलिस, न प्रशासन, न आरटीओ जनता की इस समस्या का समाधान करने को लेकर कोई गंभीर प्रयास करने की स्थिति में नहीं दिखाई दे रहा है।

दो साल में दुगुनी हुई संख्या

पिछले तीन सालों में ई-रिक्शा की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है, जहां साल 2022-23 में 2,882 ई-रिक्शा, 2023-24 में 3,690 ई-रिक्शा रजिस्टर और 2024 से लेकर इस साल अक्टूबर तक 4,150 ई-रिक्शा रजिस्टर हुए हैं। करीब 5 साल पहले 2020 में शहर में ई-रिक्शों की संख्या 3 से 4 हजार थी जो अब दो से तीन गुनी हो चुकी है इस समय करीब 12 हजार ई- रिक्शे सड़कों पर हैं और हर महीने इनकी संख्या में इजाफा हो रहा है।

गौरव को मिल सकता है एक और गौरव

मिल सकती है प्रदेश महामंत्री के रूप में कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा हुए करीब चार सप्ताह होंने को है, लेकिन अभी तक प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री की घोषणा नहीं की गई है जबकि प्रदेश कार्यालय प्रभारी और उपाध्यक्षों के साथ ही प्रदेश मंत्री ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। टीम हेमंत में चार नेताओं को महामंत्री बनाया गया है, जिसमें सांगर की सांसद डॉ. लता वानखेड़े, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, इंदौर के पूर्व नगर अध्यक्ष गौरव रणदीवे के अलावा पूर्व प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी को शामिल किया गया है, लेकिन इनमें से किसी को प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री का दायित्व नहीं सौंपा गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भाजपा सिर्फ महामंत्री बना कर इनको खुश रखेगी या फिर किसी एक को प्रदेश कार्यालय की कमान भी सौपेंगी। सूत्रों की माने से प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री की दौड़ में सबसे आगे गौरव रणदीवे का नाम है। इसके पीछे जो तर्क दिए जा रहे है वह यह है कि मालवा अंचल को साधने के लिए रणदीवे को कमान सौपी जा सकती है, लेकिन उनके साथ एक परेशानी यह भी है कि वह इंदौर

में रहते हैं ऐसे में प्रतिदिन प्रदेश कार्यालय में बैठना और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ही आम जन की समस्याओं को सुनने में उनको परेशानी आ सकती है। इसके बाद डॉ. सोलंकी का नाम है वह भी निमाड़ से आते हैं और आदिवासी क्षेत्रों में उनकी अच्छी पकड़ को देखते हुए और आदिवासी जन मानस में संदेश देने के लिए भाजपा उनको भी यह जिम्मेदारी दे सकती है। हालांकि डॉ. सोलंकी राज्यसभा के सदस्य है ऐसे में उनका प्रदेश कार्यालय को उतना समय देना मुश्किल हो सकता है। इसको लेकर पार्टी अभी सामंजस्य की स्थिति में है। इसी प्रकार सागर से लोकसभा सांसद डॉ. लता वानखेड़े के साथ भी यही दिक्कत है। संसद सत्र के दौरान उनका प्रदेश कार्यालय में रहना और पार्टी कार्यकर्ताओं की बात सुनना मुश्किल हो सकता है। हालांकि वह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के परिवार से अच्छे संबंधों की वजह से यह जिम्मेदारी हासिल कर सकती है। अब बचे राहुल कोठारी जो राजधानी भोपाल से ही आते है वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं है। उनके साथ प्लस पाइंट है कि वह भोपाल के ही निवासी हे ऐसे में उनका प्रदेश कार्यालय को प्रतिदिन समय देने में कोई दिक्कत नहीं होगी। साथ ही वह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफी करीबी भी है, जिससे संगठन और सत्ता में समन्वय बनाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं आएगी। ऐसे में राहुल को यह जिम्मेदारी मिल जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। माना जा रहा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल जल्द ही प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री की घोषणा करके इस स्थिति को साफ कर देंगे।

इंदौर में जारी शीतलहर : अगले दो दिन के लिए ऑरेंट अलर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में बर्फीली हवाओं के चलते कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। पिछले लगभग दस दिनों से शहर में तीव्र शीतलहर जारी है। मौसम विभाग आगामी दो दिन तक सीवियर कोल्ड डे घोषित किया है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इंदौर शहर में सर्दी का तीखा असर देखने को मिल रहा है।

कल यहां रातभर कड़ाके की ठंड रही और सुबह पूरा शहर कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। हालांकि, सुबह 10 बजे के बाद धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम आंकड़ों के अनुसार दिन का तापमान 3.3 डिग्री गिरकर 26.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। यह सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। वहीं, सोमवार-मंगलवार रात का न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री बढ़कर 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह अभी-भी सामान्य से 7 डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिन इंदौर में तीव्र शीतलहर जारी रहेगी। शाम होते ही बर्फीली हवाओं ने शहर को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। हवाएं इतनी ठंडी है कि लोगों को घरों में भी ठंडी हवाएं महसूस हो रही है। जिसके कारण लोग शाम होते ही खिड़कियां और दरवाजे पूरी तरह बंद कर देते है।

गर्म कपड़ों की दुकानों पर भीड़

इस बार बारिश ने तो रेनकोट बेचने वालों को निराश किया और धंधा पूरी तरह चौपट रहा, लेकिन ठंड ने गर्म कपड़े बेचने वालों के चेहरों पर खुशियां ला दी है। इस बार नवंबर माह के शुरुआत से ही ठंड ने जोर पकड़ लिया है और यह कम होने का भी नाम नहीं ले रही है, जिसके कारण लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत काफी जल्दी पड़ गई। जिनके पास गर्म कपड़े नहीं है या नई वैरायटी के पहनना पसंद करते है, वे लोग इन दिनों गर्म कपड़ों की दुकानों पर पहुंच रहे है। सुबह से लेकर रात तक गर्म कपड़ों की दुकानों पर जमकर खरीददारी हो रही है। शादियों के सीजन भी शुरू हो गया है और इसके कारण भी गर्म कपड़ों की मांग ज्यादा बनी हुई है।

आईपीएस अवार्ड प्रक्रिया अटकी अब बैठक 21 नवंबर को होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राज्य पुलिस सेवा के अफसरों को आईपीएस अवार्ड देने की प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में घिर गई है। दो माह पहले 12 सितंबर को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की हुई बैठक को निरस्त कर दिया गया है। अब 21 नवंबर को दोबारा यह बैठक आयोजित की जाएगी। यह पहला अवसर है जब राज्य पुलिस सेवा से आईएएस अवार्ड के लिए हुई डीपीसी को निरस्त किया गया है। बता दें, 1997-98 बैच के 15 अफसरों के नामों पर विचार कर पैनल तैयार किया गया था। इनमें से पांच अधिकारियों को आईएएस अवार्ड मिलना था। लेकिन डेढ़ माह तक आदेश की प्रतीक्षा के बाद अचानक डीपीसी को निरस्त कर दिए जाने से पूरे मामले पर सवाल खड़े हो गए हैं।

आगामी बैठक 21 नवंबर को होगी। इसमें 15 अफसरों के नामों पर विचार होना है। इनमें सीताराम ससत्या, अमृत मीणा, विक्रांत मुराब, सुरेंद्र कुमार जैन, आशीष खरे, राजेश रघुवंशी, निमिषा पांडेय, राजेश कुमार मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, मनीषा पाठक सोनी, सुमन गुर्जर, संदीप मिश्रा, सव्यसाची सर्राफ और समर शर्मा शामिल हैं। अब निगाहें दोबारा होने वाली डीपीसी में होने वाले निर्णय पर टिकी हुई है।

दो नामों पर पेच : सूत्रों के अनुसार, पैनल में शामिल दो अधिकारियों के मामलों पर पेच फंसा हुआ है। वरिष्ठता क्रम में पहले नंबर पर आने वाले सीताराम ससत्या के खिलाफ एक विभागीय जांच लंबित है, तो दूसरे नंबर की वरीयता वाले अमृत मीणा का जाति प्रमाण पत्र विवाद अदालत में विचाराधीन है। इन दोनों मामलों के चलते पैनल की विश्वसनीयता व पारदर्शिता को लेकर शंकाएं हैं। अब चर्चा है, पहली डीपीसी को निरस्त किया गया, तो अब दोबारा बैठक में मानक क्या होंगे।

दस्तावेजों को जुटाने की मशक्कत के बाद आयोग का नया फरमान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सारे कामकाज छोड़कर पूरी सरकारी मशीनरी एसआईआर सर्वे में जुटी है, क्योंकि समय सीमा पर काम पूर्ण करना है। चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची का करवाया जा रहा है, जिसमें अब यह भी निर्देश दिए गए हैं कि फिलहाल मतदाताओं से कोई भी दस्तावेज नहीं मांगना है, सिर्फ गणना फॉर्म देकर उसे भरवाना है और जब दावे-आपत्तियों की स्थिति आएगी, उस दौरान ये दस्तावेज लिए जाएंगे। कल रात तक इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा सीटों पर 1 लाख 38 हजार गणना फॉर्मों का डिजिटाइजेशन हो चुका था। यानी इतने फॉर्म भरे जा चुके हैं। हालांकि जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 28 लाख

67 हजार से अधिक है और इतनी ही संख्या में गणना फॉर्म भरे जाएंगे। सभी 9 विधानसभा में 2625 मतदान केन्द्रों पर बीएलओ सुबह से रात तक इसी काम में जुटे हैं और पूरा प्रशासनिक अमला, जिसमें सभी विभागों के कर्मचारियों को भी लगाया गया है। गणना-फॉर्म बंटवाने और भरवाने तथा मतदाता सूची के सत्यापन कार्य में जुटा है। अभी अधिकांश बीएलओ को यह भी गलतफहमी है कि मतदाताओं से 2003 या उसके बाद के दस्तावेज लेना है। लिहाजा आयोग ने यह स्पष्ट किया कि फिलहाल जो गणना का पहला चरण चल रहा है, जिसमें फॉर्म भरवाए जाना है, उसमें मतदाताओं से किसी भी तरह का कोई दस्तावेज नहीं लेना है, सिर्फ घर-घर जाकर भौतिक उपस्थिति की पुष्टि करना और उपलब्ध जानकारी को फॉर्म में दर्ज करना है। बीएलओ द्वारा दस्तावेजों की मांग तब ही की जाएगी तब ड्राफ्ट यानी प्रारूप प्रकाशन के बाद किसी मतदाता द्वारा दी गई जानकारी, घोषणा या उसके द्वारा दिया गया डाटा मेल ना खाता हो, तो उसे दस्तावेजों से साबित करना पड़ेगा।

हुई किरकिरी जनता के विरोध के बाद रिजेक्ट किए सिंहस्थ और ओंकारेश्वर के प्रोजेक्ट

24 घंटे में प्रदेश सरकार ने दो बार लिया यू टर्न

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में 2 साल पूरे करने जा रही मोहन यादव सरकार ने 24 घंटे के भीतर दो बड़े फैसले पलट दिए। ये पहली बार है कि जब सरकार की ऐसी किरकिरी हुई है। सिंहस्थ लैंड पूलिंग एक्ट को वापस लेने के सरकार के फैसले के बाद किसानों ने उज्जैन में आतिशबाजी की। वहीं, ममलेश्वर लोक प्रोजेक्ट को रद्द करने के फैसले पर ओंकारेश्वर में भी लोगों ने जश्न मनाया।

सरकार ने किसानों और आम लोगों के विरोध के बाद अपना फैसला बदला। अहम सवाल ये है

कि आखिर इसकी नौबत क्यों आई? धार्मिक पर्यटन के लिए सरकार जो स्कीम ला रही है, उसे बनाने से पहले लोगों से मशविरा क्यों नहीं हो रहा है? अगर ऐसा होता तो प्रदेश के दो शहरों में सरकार के खिलाफ आंदोलन की नौबत नहीं आती।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक एनके सिंह कहते हैं, 'अगर अफसर और नेता ऐसे प्लान बनाने से पहले लोगों को भरोसे में लेते तो ऐसा नहीं होता। ये विरोध प्रदर्शन ष्ट केबिन में बनाए गए प्लान का नतीजा हैं। जिन लोगों के हित के लिए योजना बनाई जा रही है, उनसे चर्चा की गई होती तो ऐसी गलती नहीं होती।'

उज्जैन में 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन से डरी सरकार-राघवेंद्र सिंह पटेल बताते हैं- इसके बाद सरकार ने गजट नोटिफिकेशन कर दिया। इसमें सरकार ने मनमाने तरीके से जमीन के उपयोग का प्रावधान किया। 10 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों पर आंदोलन हुआ।

इसके बाद संगठन ने रणनीति बनाई कि 18 नवंबर को उज्जैन में घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन करेंगे। किसान तब तक उज्जैन में डटे रहेंगे, जब तक सरकार अपना फैसला वापस नहीं लेती।

17 नवंबर को बैठक में तय हुआ किसानों की मांगें मानेंगे- 17 नवंबर की सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारतीय किसान संघ के दिल्ली दफ्तर में राष्ट्रीय पदाधिकारियों से बातचीत की। दोपहर में सीएम भोपाल लौटे। यहां प्रदेश पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में तय हुआ कि किसानों की मांगें मानी जाएंगी।

धड़ल्ले से बिक रही दिल्ली की गाड़ियां, फर्जी तरीके से ट्रांसफर हो रहे नाम, कार ब्लास्ट के बाद उठे बड़े सवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्य प्रदेश के इंदौर में ऑटो डीलरों की सेटिंगबाजी का ऐसा खतरनाक खेल सामने आया है, जिसने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है इंदौर के ऑटो डीलर दिल्ली से गाड़ियां लाकर यहां खुलेआम बेच रहे हैं। उससे भी बड़ा खेल यह है कि खरीदार के पास दिल्ली का एड्रेस प्रूफ हो या न हो, फिर भी गाड़ी दिल्ली के नंबर पर ही खरीदार के नाम ट्रांसफर करवा दी जा रही है। दिल्ली में कार ब्लास्ट का मामला सामने आने के बाद बड़े सवाल उठने लगे हैं।

यह पूरा तंत्र इतना मजबूत और सेटिंग से चल रहा है कि कोई भी फर्जी दस्तावेज देकर दिल्ली ऋझह में अपने नाम पर गाड़ी ट्रांसफर करवा सकता है और इंदौर में बिना रोक-टोक दौड़ा सकता है। यह मामला अब सुरक्षा पर सीधे सवाल खड़ा कर रहा है। ऐसे में अगर कोई अपराधी या आतंकी इंदौर से फर्जी एड्रेस की मदद से गाड़ी खरीद कर दिल्ली के नंबर पर अपने नाम ट्रांसफर करवा ले तो उसका वास्तविक पता किसी राज्य की पुलिस के पास नहीं होगा। गाड़ी इंदौर में चलेगी, मालिक के खिलाफ मामला दिल्ली में दर्ज होगा और उसके पीछे असली चेहरा कोई नहीं पकड़ पाएगा।

दिल्ली ब्लास्ट केस ने जो खतरा दिखाया, उसी ने इंदौर के इस सेटिंग सिंडिकेट पर रोशनी डाल दी है। गाड़ियों की इस फर्जी खरीद-फरोख्त में जिन दस्तावेजों की जरूरत होती है, वे सामान्य नियमों के हिसाब से सिर्फ उसी राज्य के वैध एड्रेस पर निर्भर करते हैं। लेकिन इंदौर में खेल बिल्कुल उल्टा चल रहा है। खरीदार चाहे किसी भी राज्य का हो, दिल्ली का कोई एड्रेस न हो, फिर भी दिल्ली ऋझह से उसके नाम पर ट्रांसफर करा दी जाती है। इंदौर के कई ऑटो डीलर्स इसमें पूरी तरह शामिल हैं और यह सेटिंग कई साल से चल रही है।

गाड़ियों की खरीद सिर्फ कागजों का खेल बन चुकी है और असली खतरा यह है कि अपराधी इसी का फायदा उठाकर बड़े अपराध कर सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल इंदौर ऋझह पर खड़ा होता है। शहर में दिल्ली, मुंबई, देहरादून और अन्य राज्यों की गाड़ियां इतनी बड़ी संख्या में चल रही हैं, लेकिन किसी भी वाहन का असली पता इन राज्यों में है ही नहीं। यह स्थिति साफ बताती है कि इंदौर ऋझह न सिर्फ बाहरी राज्यों की गाड़ियों पर ध्यान नहीं दे रहा, बल्कि इस पूरे खेल को अनदेखा करके अपराधियों के लिए रास्ता आसान कर रहा है।

गाड़ियां दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड हैं, मालिक का पता फर्जी है, गाड़ी इंदौर में चल रही है, और सिस्टम अंधा बना हुआ है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद यह पूरा तंत्र संदेह के घेरे में आ गया है। अब यह बात आम हो गई है कि इंदौर में गाड़ियों का कारोबार सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि सेटिंग, फर्जीवाड़ा और सुरक्षा को दांव पर लगाने वाला एक बड़ा नेटवर्क बन चुका है। इस पर कार्रवाई कब होगी, जवाबदेही कौन तय करेगा, यह सवाल अभी भी हवा में है। पर इतना साफ है कि अगर इस खेल पर तुरंत लगाम नहीं लगी, तो किसी भी दिन किसी फर्जी नाम पर खरीदी गई गाड़ी किसी बड़ी वारदात का हिस्सा बन सकती है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 20 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • आर्मी रिक्रूटमेन्ट ऑफिस महू एवं जिला प्रशासन के निर्देशन में अग्निपथ योजना अंतर्गत अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 20 नवम्बर से 05 दिसम्बर 2025 तक तक्षशिला परिसर (स्पोटर्स ग्राउन्ड) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय खण्डवा रोड इन्दौर में किया जा रहा है। भर्ती रैली में इन्दौर एवं उज्जैन सम्भाग के 15 जिलों के लगभग 6500 से अधिक आवेदक शामिल होंगे। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि भर्ती रैली कार्यालय महू से प्राप्त उपरोक्तानुसार 20 नवम्बर से 05 दिसम्बर 2025 तक की अवधि हेतु भर्ती स्थल पर आवेदकों के रात्रिकालिन शारीरिक परीक्षण/मापदण्ड चिकित्सा जॉच एवं शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्रों की जॉच हेतु शासन/जिला प्रशासन से प्राप्त निर्देश अनुसार रात्रिकालीन 15 दिवसीय टेन्ट एवं लाईट की व्यवस्था की जाना है।

रेटिना आंखों की दृष्टि की नींव है और आंखें अनमोल है - अग्रवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रोटरी क्लब ऑफ इंदौर सेंट्रल द्वारा मध्य प्रदेश वित्त निगम कार्यालय इंदौर में नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। प्रख्यात रेटीना सर्जन डॉ. सुमित अग्रवाल ने निगम के सभी कर्मचारियों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि आँखों में रेटिना रोग बिना दर्द और बिना लक्षण के बढ़ते हैं। सही समय पर जांच कराने से दृष्टि हानि से रोका जा सकता है। रेटिना को स्वस्थ रखने के लिए हरी सब्जियां एवं रंगीन फलों का रोज सेवन करें। साथ ही नींद पूरी करें। तनाव से बचें एवं नियमित व्यायाम करें। रेटिना के रोगी स्टेरॉइड्स के सेवन सहित धूम्रपान और घरेलू उपचार से दूर रहें। यदि किसी को कोई लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें और तुरंत रेटिना विशेषज्ञ से संपर्क करें।

जेलर रामसहाय कुशवाह के अभद्र व्यवहार की जनसुनवाई में हुई शिकायत

सेंट्रल जेल अधीक्षक अलका सोनकर आखिर कब करेगी कार्यवाही

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • **दैनिक इंदौर संकेत**

सब जेल देपालपुर के जेलर रामसहाय कुशवाहा लगातार विवादों में रहे हैं कैदियों के साथ लगातार दुर्व्यवहार की शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पहले भी हुई है। आज जनसुनवाई में सब जेल देपालपुर की अनियमिता और दुर्व्यवहार को लेकर आवेदन एसडीएम राकेश मोहन त्रिपाठी के पास पहुंचा है। शिकायतकर्ता इरफान पिता रफीक शाह ने जेलर पर गंभीर आरोप लगाए जबरदस्ती कैदियों से खेती में काम करवाते नहीं करने पर अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं इतना ही नहीं मेरे साथ जेल में मारपीट भी की गई थी जिसको लेकर मैने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत भी दर्ज कराई थी लेकिन जेलर मुझे बुलाकर डरा धमका कर शिकायत बंद करवा दी थी इरफान ने कहा कि जेल से छूटने के बाद में अपने मित्र से मुलाकात लेने गया था तो जेलर ने मुझे धमकाया कि तू यहां मत आया कर सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग निकलवा कर तुझे में झूठे कैसे में अंदर करवा दूंगा जेलर कुशवाह का अभद्र व्यवहार एक नहीं अनेक कैदियों के साथ है लेकिन पीड़ित को कहीं उलझा ना ना दे इस कारण कोई शिकायत नहीं डाल पाता है।

इतना ही नहीं वीसी कक्ष निर्माण में जेल के अंदर बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है जेल के ही कैदियों से वीसी कक्ष की दीवारों का निर्माण करवाया गया उसमें भी केवल दो दीवारे ही बनवाई गई है और दो पुरानी दीवारों का उपयोग कर वीसी कक्ष तैयार किया गया है सूत्र बताते हैं कि जिसकी पूरी राशि निकाल ली गई है छुटने वाले कैदियों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवाए जाते हैं ताकि बाहर जाकर जेलर की शिकायत ना कर दे इतना ही नहीं जेलर के खिलाफ उच्च अधिकारियों को भी शिकायत की गई है लेकिन अब तक कोई उचित कार्यवाही नहीं की गई सूत्र से पता चला है कि जेलर जिस सरकारी आवास में रहते हैं वहां भी कहीं सालों से बिजली मीटर नहीं लगा था बिजली विभाग के नोटिस के बाद 5 से 6 माह पहले बिजली मीटर लगाया गया इसकी जानकारी सूचना के अधिकार में मांगी गई वाह भी बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होगा।

जेलर रामसहाय कुशवाह अपने प्रतिष्ठा बचाने के लिए कुछ अखबारों में अपने पक्ष में खबर प्रकाशित करवा रहे है जिससे बिगड़ रही छवि को ठीक किया जा सके सबसे बड़ी बात यह है कि जो भी कैदी जेल से बाहर आते हैं सबसे पहले जेलर की शिकायत डालते हैं क्योंकि इनके अभद्रता व्यवहार को लेकर एक नहीं अनेक कैदी परेशान है किसी को थप्पड़ मारा गया तो किसी को काम के लिए परेशान किया गया ।

जेलर का मामला सेंट्रल जेल अधीक्षक अलका सोनकर के पास भी पहुंचा है उन्होंने भी जांच के आदेश देने की बात कही है लेकिन जेलर के खिलाफ अब तक कोई बड़ी कार्रवाई उन्होंने नहीं की अब देखना होगा सब जेल देपालपुर में कैदियों के चेहरे खिलेंगे या फिर जेल के अंदर घुट घुट कर जीयेगे।

इस मामले में एसडीएम राकेश मोहन त्रिपाठी ने कहा है कि जेलर के खिलाफ पहले भी कई बार शिकायत आई है हमने वहां का भोजन ठीक करवाया है हम जल्द ही औचक निरीक्षण कर जेल में हो रही अन्य समस्याओं को दूर करेंगे शिकायतकर्ता के बयान हमने दर्ज किए हैं जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए सुबह का घूमना सबसे ज्यादा बेहतर माना जाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इंदौर में भी तमाम बाग-बगीचों में सुबह-सुबह सभी उम्र के सैलानियों को हम देख सकते हैं। इसी कड़ी में एक ग्रुप रेसीडेंसी एरिया के यातायात पार्क में, जिसमें केंद्रीय विद्यालय के अंग्रेजी शिक्षक एचयू सिद्दीकी, आर्किटेक्ट शकील खान, प्रकाश मैटेरियल्स के प्रकाश, ट्रांस्पोर्टर अनवर भाई, पूर्व डिप्टी कलेक्टर रियाज़ ख़ान साहब आदि भी पिछले लंबे समय से प्रतिदिन अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करते हुए देख सकते हैं। यह ग्रुप युवाओं के लिए भी अपने स्वास्थ्य के प्रति एक प्रेरणा का स्त्रोत है।

'जलवायु समाधान' बनाने की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के 84 वार्डों से चुने गए 50 किशोर और युवा फेलोज. ने तीन दिवसीय (15 से 17 नवंबर)'इंदौर क्लाइमेट लीग' कार्यशाला के साथ एक छह महीने के सामुदायिक नेतृत्व कार्यक्रम की शुरुआत की। तीन दिवसीय शुरुआती कार्यशाला में फेलोज़ ने यह समझा कि जलवायु चुनौतियाँ रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कैसे दिखती हैं, समुदाय के साथ संवाद कैसे बनाया जाए, और किस तरह छोटे-छोटे कदम भी पूरे मोहल्ले का नज़रिया बदल सकते हैं। 'इंदौर क्लाइमेट लीग की सबसे बड़ी मान्यता ये है कि युवा पहले से ही जानते हैं कि उनकी गली, घर और स्कूल कैसे बदल रहे हैं। यह प्रोग्राम बस उन्हें भाषा, स्ट्रक्चर और हिम्मत देता है ताकि वो अपनी रोज़मर्रा की समझ को लीडरशिप में बदल सकें। कार्यशाला में श्रद्धा तोमर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एक्सपर्ट, इंदौर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन; अमित दूबे, स्वच्छ भारत मिशन से और दीप्ति तोमर, नेशनल यूथ क्लाइमेट कंसोर्टियम क्लाइमेट चैंपियंस फ़ेलोशिप के तहत मध्य प्रदेश की क्लाइमेट चैंपियन, ने भी फ़ेलोज़ से बातचीत की और शहर के साफ़-सफाई और जलवायु से जुड़ी अपने अनुभव साझा किए।

जिले के लगभग 74 हजार किसानों को मिलेगी सम्मान निधि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जिले में 19 नवम्बर को पीएम किसान दिवस के रूप में मनाया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत 21 वीं किश्त का वितरण करेंगे। इस योजना के तहत इन्दौर जिले के 680 ग्रामों के 73992 हितग्राही लाभान्वित होंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम 19 नवम्बर को कलेक्टर कार्यालय प्रशासनिक भवन के द्वितीय तल स्थित सभा कक्ष कमांक 210 में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सीधा-प्रसारण दिखाया जायेगा।

वर्ल्ड टॉयलेट डे आज

शहर में शुरू होंगे चार नए टॉयलेट

सभी जोन क्षेत्र में होगा गेट-टू-गेदर टॉयलेट प्रोग्राम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में बुधवार को वर्ल्ड टॉयलेट डे मनाया जाएगा। शहर के सभी जोन क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय पर गेट-टू-गेदर टॉयलेट प्रोग्राम होगा। इसे लेकर नगर निगम ने तैयारियां भी पूरी कर ली है।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विन शुक्ल ने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर कल्पना की उड़ान कार्यक्रम से 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे पर शहर के सभी जोन में स्थित सार्वजनिक शौचालय पर गेट-टू-गेदर प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव बुधवार सुबह नेहरू पार्क स्थित सार्वजनिक शौचालय का शुभारंभ एवं गेट-टू-गेदर टॉयलेट प्रोग्राम में शामिल होंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स व अन्य भी मौजूद रहेंगे।

वर्ल्ड टॉयलेट डे पर सुबह जोन क्रमांक 4 वार्ड क्रमांक 12 अंतर्गत महाराणा प्रताप नगर में स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, क्षेत्रीय पार्षद सीमा डाबी, जोन क्रमांक 13, वार्ड क्रमांक 74 अंतर्गत चोइथराम सब्जी मंडी में एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद, मंडी एसोसिएशन, जोन क्रमांक 17, वार्ड क्रमांक 19 एफ सेक्टर में एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, क्षेत्रीय पार्षद के साथ ही सीनियर सिटीजन, वेंडर, स्टूडेंट्स की उपस्थित में शौचालय का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही वर्ल्ड टॉयलेट डे पर गेट-टू-गेदर टॉयलेट प्रोग्राम के मौके पर शहर के समस्त 22 जोन क्षेत्र अंतर्गत लालबाग, मल्हार आश्रम, आईटीआई चौराह, पतरे की चाल, विजय नगर चौराहा, शारदा मठ, जिमखाना, हरसिद्धी जोन आफिस, दशहरा मैदान, पंचशील नगर के पास, इंदिरा प्रतिमा चौराहा, पीपल्याहाना, इंदिरा नगर, गायत्री पेट्रोल पंप एवं अन्य स्थानों पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रोग्राम होगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि एक शौचालय क्या परिवर्तन ला सकता है उसका बड़ा उदाहरण इंदौर है। शौचालयों के माध्यम से शहर को यलो स्पॉट फ्री, रेड स्पॉट फ्री बनाने में बहुत मदद मिली है और शहर की स्वच्छता और स्वास्थ्य में भी एक अलग परिवर्तन आया है।

19 नवंबर वर्ल्ड टॉयलेट डे के रूप में मनाया जाता है, जिसका कार्यक्रम हमने बाल दिवस से शुरू किया था। बच्चों को लेकर हाइजीन के बार में जानकारी देना। बुधवार को गेट-टू-गेदर एट टॉयलेट।

अलग-अलग टॉयलेट पर गेट-टू-गेदर होगा। जो हमने नए टॉयलेट बनाए है उसका शुभारंभ भी हम करेंगे और इंदौर वैसे भी खुले में शौच मुक्त है, लेकिन टॉयलेट साफ रहे, सुविधाओं की जागृति होती रहे उसके लिए एक बड़ा प्रोग्राम हम कर रहे है।

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत में कार्यकर्ताओं का भी अहम योगदान- उपाध्याय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बिहार चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत में मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। इसी के साथ एसआईआर प्रक्रिया का भी बड़ा योगदान रहा। ये बात भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने एसआईआर को लेकर आयोजित इंदौर महानगर के कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इसलिए कार्यकर्ता एसआईआर के कार्य को गंभीरता से लेकर बूथों की मतदाता सूचियों का परीक्षण करने के काम में जुट जाए। मतदाता सूची को पारदर्शी और विश्वसनीय बनानी की प्रक्रिया है एसआईआर। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची को स्वच्छ, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का माध्यम है। संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर पर सक्रियता और मतदाता सूची की शुद्धता इससे सुनिश्चित होगी। हमें पूरी सतर्कता के साथ इस बात का भी ध्यान रखना है कि किसी बाहरी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जुड़ न पाए। अगर कोई ऐसा प्रकरण जानकारी में आता है, तो तत्काल उस पर आपत्ति दर्ज कराएं। परिवार के 18 वर्ष पार कर चुके सभी सदस्यों तथा विवाह के बाद बहू, बेटियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ना प्रत्येक कार्यकर्ता की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

झलकारी चौराहा पर मनाई जाएगी झलकारी जयंती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विगत 28 सालों से झलकारी महासंघ 22 नवम्बर को झलकारी जयंती एवं 5 अप्रेल को बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है, महासंघ एवं कोरी/कोरी समाज द्वारा स्वतंत्रता संग्राम की अमर शहीद वीरांगना झलकारी की 195 वीं जयंती आगामी 22 नवम्बर 2025 को मनाई जा रही है। गौरतलब है, कि महासंघ प्रतिवर्ष झलकारी जयंती के अवसर पर झलकारी द्वार, पाटनीपुरा पर मनाता आया है। चुंकि इसी वर्ष 8 अगस्त को झलकारी महासंघ एवं कोरी/कोली समाज महापंचायत

तथा महापंचायत से जुड़े विभिन्न सामाजिक संगठनों के अथक प्रयास एवं मांग पर महापौर द्वारा अन्नपूर्णा रोड़ स्थित दशहरा मैदान, उषा नगर चौराहे का नामकरण वीरांगना झलकारी के नाम पर करने की घोषणा की जा चुकी है।

इंदिरा गांधी जयंती पर महिलाओं का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सम्यक इंदिरा ज्योति अभियान द्वारा आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया।

अभियान के समन्वयक दिलीप ठक्कर ने बताया कि मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जन्म जयंती के अवसर पर नवलखा स्थित इंदिरा गांधी प्रतिमा स्थल पर सम्मान समारोह में अभा कांग्रेस कमेटी की सदस्य और वरिष्ठ समाजसेवी डॉ श्रीमती अर्चना जायसवाल,कनुप्रिया सत्तन सहित अन्य अतिथि सम्मिलित हुई। इंदिरा गांधी की प्रतिमा का

108 लीटर दूध से अभिषेक कमल पहलवान संदवाने,राजेश जायसवाल, अभिषेक मित्तल सहित अन्य ने किया एवं शहर की प्रमुख महिलाओं को इंदिरा गांधी पुरस्कार सम्मान से सम्मानित किया।

अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अर्चना जायसवाल ने कनुप्रिया सत्तन, डॉ.अदीती जायसवाल, प्रीति सक्सेना, नीरू शर्मा, विनीता तिवारी, सरिता काला दीपिका घोलाप, सोनीला मिमरोंट, सुनीता सक्सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान रुद्राक्ष की माला पहनाकर सम्मान किया।

दलाल बाग पर आज से उपधान तप का 3 दिवसीय मालारोपण महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वीआईपी रोड, दलालबाग स्थित नवरत्न नगरी पर जैनाचार्य, युवा हृदय सम्राट प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. के पावन सानिध्य में गत 2 अक्टूबर से चल रहे उपधान तप का 3 दिवसीय मालारोपण महोत्सव बुधवार 19 नवम्बर से प्रारंभ होगा। गुरुवार 20 नवम्बर को सुबह 8.30 बजे उपधान तप में शामिल देशभर से आए 133 तपस्वियों का भव्याति भव्य वरघोडा पीपली बाजार उपाश्रय से प्रारंभ होकर बैंड-बाजों एवं सभी साधु-साध्वी-भगवंतों सहित दलाल बाग पहुंचेगा। शुक्रवार 21 नवम्बर को आचार्यश्री की निश्रा में इस चातुर्मासिक अनुष्ठान के

अंतिम महामांगलिक के साथ मालारोपण का दिव्य आयोजन भी होगा। इसी दिन आचार्यश्री विश्वरत्न सागर म.सा. शाम 4 बजे दलाल बाग से गुमास्ता नगर स्थित नाकोड़ा जैन मंदिर के प्रतिष्ठा महोत्सव में पावन सानिध्य प्रदान करने हेतु ससंघ बिदाई लेंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 19 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जायंट्स फेडरेशन के बांधवगढ़ सम्मेलन में श्याम गोयल का सम्मान

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय संस्था जायंट्स फेडरेशन का दो दिवसीय शिखर सम्मलेन बांधवगढ़ में जायंट्स के विश्व उपाध्यक्ष एसपी चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य एवं जायंट्स के सेंट्रल कमिटी के मेम्बर इंदौर के श्याम गोयल के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता फेडरेशन की अध्यक्ष दीपिका शर्मा ने की। सम्मलेन में निर्देशक के रूप में रणवीर कर्ण, सचिव प्रिया श्रीवास्तव, दीपाली गुप्ता, सुषमा गोस्वामी तथा जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी सहेली की अध्यक्ष रिली गुप्ता ने सम्मलेन के प्रारूप पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि चतुर्वेदी ने विश्व भर में किए जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों का ब्यौरा देते हुए सभी सदस्यों से सहयोग का आह्वान किया। विशेष अतिथि श्याम गोयल ने भी शिक्षा, स्वास्थ्य, दिव्यांग सहायता एवं जरुरतमंदों की सेवा के प्रकल्पों में आगे आने का आग्रह किया। स्वागत उद्बोधन रिली गुप्ता ने दिया।

श्रीराम शौर्य कथा की प्रचार सामग्री का लोकार्पण

इंदौर ● अन्नपूर्णा रोड, दशहरा मैदान स्थित रामायण वाटिका पर 2 से 8 दिसम्बर तक होने वाली श्रीराम शौर्य कथा की प्रचार सामग्री का लोकार्पण रणजीत हनुमान मंदिर पर मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने वैदिक मंगलाचरण के बीच किया। कथा की जोरदार तैयारियां पिछले 1 माह से चल रही हैं। अयोध्या के विश्व प्रसिद्ध प.पू. शांतुन महाराज के श्रीमुख से शहर में पहली यह दिव्य महोत्सव होगा। आयोजन के प्रमुख एवं संस्था छवि के गोपाल गोयल, अग्रवाल फाउंडेशन के किशोर गोयल एवं संजय बांकड़ा ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार प्रसार एवं संवर्धन के लिए आचार्य शांतनु महाराज प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक श्री राम शौर्य कथा की संगीतमय अमृतवर्षा करेंगे।

ममलेश्वर लोक प्रोजेक्ट निरस्त...लोगों ने आतिशबाजी की, साधु-संतों और दुकानदारों के विरोध के बाद फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में प्रस्तावित ममलेश्वर लोक को लेकर चल रहे व्यापक विरोध के बाद आखिरकार ममलेश्वर लोक प्रोजेक्ट को निरस्त कर दिया गया है। खबर सामने आने के बाद लोग आतिशबाजी कर जश्न मना रहे हैं। प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे साधु-संतों और स्थानीय लोगों से बात कर उनकी परेशानी को समझा और उनकी बात आगे पहुंचाई। इसी के बाद प्रोजेक्ट निरस्त करने का फैसला हुआ। अपर कलेक्टर काशीराम बडौले ने बताया कि ममलेश्वर लोक का सर्वे चल रहा था। इसमें बड़े स्तर पर लोगों के साथ ही कुछ आश्रमों का भी विस्थापन होने वाला था। बहुत से लोगों की रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही थी।

संत समाज ने भी इसे लेकर नाराजगी जाहिर की थी। लोग भी लोक नहीं बनने के फेवर में थे। संत समाज और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शासन-प्रशासन ने यह फैसला लियाकि अभी ममलेश्वर लोक के निर्माण को निरस्त किया जाता है। अपर कलेक्टर के मुताबिक- भविष्य में यदि कोई निर्माण होता है तो संत समाज के साथ ही सभी से विमर्श किया जाएगा। संतों ने भी कुछ सुझाव दिए हैं। अच्छे सुझाव हैं। अन्य के भी सुझाव लेकर भविष्य में ममलेश्वर लोक निर्माण पर विचार होगा।

दो दिन से ओंकारेश्वर बंद, लोगों ने विरोध जताया

ममलेश्वर लोक की लागत 120 करोड़ रुपए थी, सिंहस्थ के पहले इसे बनकर तैयार होना था। इसके विरोध ओंकारेश्वर दो दिन से बंद है। लोग अपनी दुकानें, टैक्सी-ऑटो बंद कर प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे थे। हालत ये है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पानी, चाय-नाश्ता तक नहीं मिल रहा है। यहां पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि नर्मदा नदी का जल पीकर प्यास बुझा रहे हैं। 7 किलोमीटर दूर जाकर दोगुना किराया देकर नाइट स्टे करना पड़ रहा है। प्रशासन का दावा है कि श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की जा रही है। लेकिन श्रद्धालुओं के मुताबिक, दो दिन से प्रशासन की तरफ से कोई मदद नहीं पहुंचाई गई।

दरअसल, ओंकारेश्वर के रहवासी यहां प्रस्तावित ममलेश्वर लोक का विरोध कर रहे हैं। नगर की आधी आबादी पर विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है। इसी के विरोध में ओंकारेश्वर के लोगों ने तीन दिन का बंद रखा है। प्रोजेक्ट निरस्त होने के फैसले के बाद उम्मीद है कि बुधवार से दुकानें खुलेंगी।

'बच्चे भूखे रहे, नर्मदा जी के जल से प्यास बुझाई'

इंदौर से आए श्रद्धालु जय अहिरवार ने बताया- सोमवार को दोपहर के समय परिवार के साथ ओंकारेश्वर पहुंचे थे। बस स्टैंड पर उतरने के बाद कोई ऑटो या रिक्शा नहीं मिला। वहां से पैदल चलकर ब्रह्मपुरी घाट पहुंचे। एक बोतल पानी लेकर साथ चल रहे थे, वो रास्ते में ही खत्म हो गया। ओंकारेश्वर में कोई भी दुकान खुली नहीं मिली। बच्चे को भूख लगी, लेकिन कुछ खाने-पीने को नहीं मिला। बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। हमने तो नर्मदा जी का पानी पीकर प्यास बुझाई है।

7 किमी दूर दोगुना किराया देकर रुके श्रद्धालु

तीर्थनगरी आने वाले बाहरी पर्यटक जब सोमवार शाम को ओंकारेश्वर पहुंचे तो उन्हें यहां बंद का असर दिखाई दिया। वे लोग मंगलवार सुबह नर्मदा स्नान करके ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना चाहते थे। ऐसे में बाहरी श्रद्धालु तीर्थनगरी छोड़कर करीब 7 किलोमीटर रिटर्न हुए और कोठी गांव के होटलों में उन्होंने नाइट स्टे किया। जहां उन्हें दोगुना किराया तक चुकाना पड़ गया।

होटल मालिक बोले- पहली बार सारे कमरे फुल

कोठी गांव में होटल संचालित करने वाले विजय जैन ने बताया, ओंकारेश्वर में बंद के चलते श्रद्धालुओं की तादाद कोठी गांव के होटलों में देखी गई है। यहां गणेश नगर से लेकर कोठी तक 60 से ज्यादा होटल हैं। पहली बार ऐसा हुआ कि सभी होटलों में सारे कमरे फुल हैं। सामान्य दिनों में 30% कमरे ही बुक रहते हैं। होटल वालों ने एक हजार रुपए की बजाय दो हजार से लेकर 2500 रुपए तक वसूले हैं।

आईडीए सीईओ की लग रही क्लास, टीपीएस में लापरवाहियों को लेकर शाखा प्रभारी सहित क्लार्क पर नाराज सीईओ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण सीईओ डॉक्टर परीक्षित झाड़े ने आईडीए के लापरवाहों की क्लास लेनी शुरू कर दी है दरअसल इंदौर विकास प्राधिकरण की टीपीएस आठ के अधूरे कार्यों को लेकर मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉक्टर परीक्षित झाड़े ने योजना शाखा में खुद पहुंचकर टीपीएसआठ की प्रगति को लेकर योजना शाखा प्रभारी रचना बोचरे की क्लास ले ली। यहीं नहीं टीपीएसआठ में हो रही लेट लतीफी को नाराजी को चलते सीईओ डॉक्टर झाड़े ने योजना शाखा के ही अन्य क्लर्क रामेश्वर रूपाले को स्पष्ट निर्देश भी दिए कि अगर अगले दो दिनों में ठ्ठड्ड्रस् आठ का अधूरा कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो फिर वह रुपाले को सस्पेंड कर देंगे। इधर योजना शाखा प्रभारी रचना बोचरे की आगामी छुट्टी भी सीईओ ने निरस्त कर दी। शाखाओं का कर रहे सीईओ निरीक्षण दरअसल सीईओ डॉक्टर परीक्षित झाड़े अब इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा, योजना शाखा और भू अर्जन शाखा का सिलसिलेवार निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने शाखा प्रभारियों को हिदायत दी तो साथ ही सीईओ ने फटकार भी लगाई हैं।

सेज यूनिवर्सिटी, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के बीच एमओयू पत्रकारिता में उत्कृष्टता की दिशा में एक पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने एक महत्वपूर्ण एमओयू किया। इस एमओयू के तहत पत्रकारिता के विद्यार्थियों को नवीनतम प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और विशेषज्ञ सत्रों का लाभ मिलेगा, जिससे उनका व्यावहारिक कौशल और उद्योग-संबंधी ज्ञान दोनों ही बढ़ेंगे।

सेज यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश की पहली सबसे युवा और नेक ए+ मान्यता प्राप्त संस्था है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में यह हमेशा अग्रणी रहा है और शिक्षा-क्षेत्र में नवाचार के लिए प्रतिबद्ध है।

एमओयू के प्रमुख बिंदु

- पत्रकारिता के छात्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित करना।
- उद्योग विशेषज्ञों के साथ नियमित सत्रों का आयोजन।
- इंटर्नशिप एवं प्रोजेक्ट सहयोग के अवसर प्रदान करना।
- दोनों संस्थाओं के बीच ज्ञान-विनिमय और अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करना।

इस अवसर पर साक्षी अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर सेज यूनिवर्सिटी, डॉ. जमना मिश्र, विभाग प्रमुख पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, डॉ. मनीष चौधरी, रजिस्ट्रार सेज यूनिवर्सिटी, प्रवीण खारीवाल, अध्यक्ष स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र., रचना जौहरी, संरक्षक स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. एवं अभिषेक सिंह सिसोदिया, सचिव स्टेट प्रेस क्लब, म. प्र. मौजूद थे। इस मौके पर मैनेजिंग डायरेक्टर साक्षी अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू हमारे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और उद्योग के विशेषज्ञों से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। हम इस सहयोग के लिए उत्सुक हैं।

ट्रैफिक पुलिस की सख्ती: हेलमेट नहीं पहनने पर 1218 चालकों पर कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ट्रैफिक पुलिस सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें बिना हेलमेट और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की गई। सोमवार सुबह से लेकर रात तक चले इस अभियान में पुलिस ने 1218 टू व्हीलर चालकों पर चालानी कार्रवाई की, जो बिना हेलमेट सड़क पर निकले थे। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि शहर के चौराहों पर लगे हाई-टेक कैमरों के माध्यम से भी की जा रही है। कैमरों में कैद होने वाले बिना हेलमेट चालकों को ऑनलाइन चालान भेजे जा रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार हेलमेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में सिर की गंभीर चोटों से होने वाली मौतों के मामले ज्यादा आते हैं। इसी को देखते हुए लगातार जागरूकता और सख्ती दोनों जारी है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए चलाया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ भी विशेष मुहिम चलाई। वन-वे उल्लंघन, ओवरलोडिंग, नो पार्किंग और प्रतिबंधित मार्ग पर चलने जैसी नियम विरुद्ध गतिविधियों पर कुल 26 ई-रिक्शा और ऑटो चालकों पर कार्यवाही की गई।

पुलिस की अपील

ट्रैफिक पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें और यातायात नियमों का पालन करें।

नर्मदापुरम से आए कलाकारों ने अद्भुत समां बांधा, हर कोई बना रहा मंत्रमुग्ध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नर्मदापुरम के सेठानी घाट, उज्जैन के राम घाट, हरिद्वार की हर की पौड़ी और ओंकारेश्वर के नागर घाट के साथ वृन्दावन के 56 भोग की झलकियाँ सोमवार शाम को निपानिया स्थित होटल एएफसी के परिसर में जीवंत हो उठीं। श्री अग्रसेन महासभा के स्नेह मिलन, अन्नकूट एवं 56 भोग श्रृंगार दर्शन महोत्सव में सैकड़ों समाजबंधु ने भाव-विभोर होकर इस अद्भुत और अनुपम उत्सव को न केवल निहारा, बल्कि मंत्रमुग्ध होकर पूरे भक्ति भाव से आत्मसात भी किया। महासभा के अध्यक्ष कैलाशनारायण बंसल, सचिव राजेश मित्तल एवं संयोजक राजेश गर्ग केटी और प्रमोद बिंदल ने बताया कि इस मौके पर नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर माँ नर्मदा की हजारों दीपों से आरती करने वाले आचार्य पं. अविनाश मिश्रा शास्त्री और उनके 11 साथियों ने माँ नर्मदा की भव्य आरती से ऐसा परिदृश्य बनाया कि हर की पौड़ी, उज्जैन के राम घाट और ओंकारेश्वर के नागर घाट पर होने वाली भव्य आरतियों के मनोहारी दृश्य साकार हो उठे।

पांच बहनों के इकलौते भाई कौशिक का 5 दिवसीय दीक्षा महोत्सव आज से, मंगल प्रवेश जुलूस निकलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल स्टेडियम पर हैदराबाद के उच्च शिक्षित, पांच बहनों के इकलौते भाई कौशिक कुमार खांटेड के पांच दिवसीय भव्य दीक्षा महोत्सव का शुभारंभ बुधवार 19 नवम्बर को सुबह 7.30 बजे कंचनबाग स्थित बीसीएम प्राइड से मंगल प्रवेश सामैया के साथ होगा। आचार्य प.पू. विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर, आचार्य विजय जिनसुंदर सूरीश्वर एवं आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर म.सा. सहित करीब 50 साधु-साध्वी-भगवंत इस जुलूस में शामिल होंगे। युगप्रधान परिवार की ओर से विनोद जैन, रितेश जारोली और सोमिल कोठारी ने बताया कि मंगल प्रवेश जुलूस रेसकोर्स रोड श्रीसंघ तक जाएगा। महोत्सव में निश्रा प्रदान करने हेतु 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंत इंदौर आएँगे। गुरुवार 20 नवंबर को सुबह 9 बजे शांतिधारा महाभिषेक पूजन, शुक्रवार 21 नवंबर को नवकार परिवार द्वारा विशाल समूह सामायिक एवं दोपहर 2.30 बजे से शहर के सभी जैन श्वेताम्बर महिलाओं की महाचौबीसी (सांझी) सायं 7 बजे मुमुक्षु की

रजवाड़ी शोभायात्रा निकाली जाएगी। शनिवार 22 नवंबर को सुबह 7.30 बजे नवकारसी एवं 8.30 बजे भव्य वर्षी दान यात्रा के बाद सुबह 10 बजे बैठा वर्षी दान, धर्मसभा एवं दीक्षा के मुख्य चढ़ावे एवं नवकारसी के बाद दोपहर 4 बजे मुमुक्षु का संसारी वेश में अंतिम भोजन, शाम 7.30 बजे संसार से संयम के मार्ग पर अंतिम विदाई तथा रविवार 23 नवंबर को सुबह 7 बजे से महामंगलकारी दीक्षा विधि प्रारंभ होगी। जिसमें सभी आचार्य एवं 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंतों की पावन निश्रा रहेगी।

सराफा चौपाटी में हुआ हंगामा, ग्राहक को लेकर आपस में ही भीड़ गए दो व्यापारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की प्रसिद्ध रात्रिकालीन सराफा चौपाटी में सोमवार देर रात दो व्यापारियों के बीच तीखी बहस बाद में मारपीट में बदल गई। ग्राहक को लेकर शुरू हुआ छोटा सा विवाद अचानक इतना उग्र हो गया कि दोनों ने एक-दूसरे पर थप्पड़, घूंसों के साथ चिमटा तक चला दिया।

ग्राहक को लेकर हुआ विवाद

रोज की ही तरह रात के समय सराफा चौपाटी पर विभिन्न व्यंजनों की दुकानें लगी हुई थीं। इसी दौरान एक ग्राहक को अपनी दुकान तक लाने को लेकर दो छोटे दुकानदारों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो जल्द ही मारपीट में बदल गया और दोनों सड़क पर आमने-सामने भिड़ गए।

पुलिस ने भेजा जेल

इस मामले की सूचना जैसे ही पुलिस को लगी वो दोनों दुकानदारों को पकड़कर थाने ले गई। थाने में आते ही दोनों का ही स्वाभाव पूरा ही बदल गया और वो दोनों राजीनामे की बात करने लग गए। लेकिन पुलिस ने दोनों के खिलाफ करवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है। सराफा पुलिस ने मारपीट करने वाले दो व्यापारियों पर

अभी तक नहीं सुलझा चौपाटी का मामला

इंदौर सराफा एसोसिएशन की चौपाटी को हटाए जाने की मांग पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। कुछ महीने पहले सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा चौपाटी को हटाने के लिए प्रदर्शन किया गया था। जिसके बाद मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने एक कमेटी बनाई थी, जो श्राद्धपक्ष के बाद इस मसले को सुलझाने वाली थी। इस मुद्दे पर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारी अजय लाहोटी का कहना है कि 'श्राद्धपक्ष के बाद दीपावली का त्योहार भी निकल चुका है, लेकिन अभी तक सराफा चौपाटी को लेकर कोई निराकरण नहीं हुआ है ना ही इसे लेकर कमेटी की कोई मीटिंग हुई है। बीती रात हुई इस तरह की मारपीट से सराफा का नाम खराब हो रहा है। जल्द सराफा चौपाटी को लेकर निर्णय लिया जाना चाहिए।'

शुक्ला स्मृति पत्रकारिता एवं ज्योतिष सम्मान समारोह 4 दिसंबर को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर शुक्ला एवं ज्योतिषाचार्य ज्वालाप्रसाद शुक्ला स्मृति पत्रकारिता एवं ज्योतिष सम्मान समारोह गुरुवार को अभिनव कला समाज में आयोजित किया गया है। पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ की स्मृति में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र शुक्ला एवं नवनीत शुक्ला ने बताया कि दिनांक दोपहर एवं और स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के सहभाग से आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रकारिता में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छः पत्रकारों और ज्योतिष के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले दो ज्योतिष को सम्मान निधि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिवर्षानुसार छः वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनन्दन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ की स्मृति में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है।

निजी बस संचालकों की गुंडागर्दी पर प्रशासन क्यों मौन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में निजी बस संचालकों और उनके स्टाफ की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। महिला यात्रियों से छेड़छाड़, अभद्र टिप्पणियाँ, दुर्व्यवहार, और ओवरलोडिंग, नशे में वाहन चलाना-ये सब इंदौर में रोजमर्रा की घटनाएँ बन चुकी हैं। कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, गिरीश जोशी ने कहा कि यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं बल्कि महिला सुरक्षा और प्रशासनिक विफलता का खुला प्रमाण है। खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि स्त्र्व्ह और पुलिस की लापरवाही ने निजी बस संचालकों को खुला आम मनमानी करने का लाइसेंस दे दिया है। 'प्रशासन की ढीली पकड़ का नतीजा है कि शहर की महिलाएँ असुरक्षित हैं और आम यात्री अपमानित महसूस कर रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो किसी बड़ी दुर्घटना या आपराधिक घटना की जिम्मेदारी किसकी होगी?' खंडेलवाल ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बावजूद संबंधित बस संचालकों व स्टाफ पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, जिससे यह स्पष्ट है कि या तो विभाग उदासीन है या फिर मिलीभगत में।

सम्पादकीय

कब सस्ते होंगे हवाई टिकट? किराये में उछाल पर सुप्रीम कोर्ट ने खड़ा किया बड़ा सवाल

निजी विमानन कंपनियों ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनामी श्रेणी के यात्रियों के लिए मुफ्त 'चेक-इन बैगेज' भत्ते को 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, DGCA और AERA से जवाब मांगा। विमानन कंपनियों के विस्तार और उड़ान योजना के लागू होने से उम्मीद जगी थी कि हवाई सेवाएं किफायती होंगी और आम आदमी भी जरूरत पड़ने पर विमान यात्रा कर सकेगा। मगर किराया निर्धारण में कोई नियामकीय व्यवस्था न होना और निजी विमानन कंपनियों को खुली छूट आम लोगों की उम्मीदों पर भारी पड़ रही है। मांग और आपूर्ति के बीच असंतुलन की आड़ में किराये में अक्सर की जाने वाली वृद्धि के कारण हवाई सेवाओं की पहुंच आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक ही सिमटती प्रतीत हो रही है। यही वजह है कि अब शीर्ष अदालत ने निजी विमानन कंपनियों की ओर से लागू हवाई किराये और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे संबंधित याचिका में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता, किराया नियंत्रण और यात्री सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने की मांग की गई है। गौरतलब है कि त्योहारों और छुट्टियों के दौरान तथा उड़ान के अंतिम समय में ज्यादातर विमानन कंपनियां मनमाने तरीके से किराये में बढ़ोतरी कर देती हैं। जबकि कई बार कुछ लोग आपात स्थिति या मजबूरी के कारण आखिर में विमान यात्रा का विकल्प चुनते हैं। मगर सरकार की ओर से इस संबंध में न तो कोई हस्तक्षेप किया जाता है और न ही किसी तरह के दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। साफ है कि विमानन कंपनियों के इस तरह मुनाफा कमाने पर कोई लगाम नहीं है। इस मसले पर शीर्ष अदालत में दायर याचिका में दावा किया गया है कि निजी विमानन कंपनियों ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनामी श्रेणी के यात्रियों के लिए मुफ्त 'चेक-इन बैगेज' भत्ते को 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है। यानी पहले टिकट सेवा का हिस्सा रहे सामान को अब राजस्व के एक नए स्रोत में बदल दिया गया है। सच यह है कि वर्तमान में किसी भी प्राधिकरण के पास हवाई किराये या सहायक शुल्कों को सीमित करने का अधिकार नहीं है।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जयंती 19 नवंबर

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी

भारत के इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि युगों-युगों तक प्रेरणा के स्रोत बने रहते हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के, 'मनु' से 'महारानी' और फिर 'वीरांगना' बनने तक का सफर, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का वह स्वर्णिम अध्याय है, जिसे हर भारतीय गर्व से याद करता है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला में अपने जीवन की आहुति दे देने वाली इस असाधारण महिला का जीवन, शौर्य, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का जीवंत उदाहरण है।

रानी लक्ष्मीबाई का जन्म एक ऐसे समय में हुआ जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी अपनी 'हड़प नीति' और अन्य कुटिल चालों से भारतीय रियासतों को निगल रही थी। एक साधारण पृष्ठभूमि से आकर, शास्त्रों के साथ शस्त्रों की शिक्षा ग्रहण करने वाली मणिकर्णिका (मनु) का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव नेवालकर से हुआ और वह 'लक्ष्मीबाई' बन गईं। झांसी की रानी के रूप में उन्होंने केवल राज-काज ही नहीं संभाला, बल्कि उस समय की रूढ़िवादी सामाजिक बेड़ियों को भी तोड़कर घुड़सवारी, तलवारबाजी और सैन्य प्रशिक्षण में अपनी निपुणता सिद्ध की।

स्वाभिमान का शंखनाद

रानी के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब राजा गंगाधर राव के निधन के बाद, लॉर्ड डलहौजी ने दत्तक पुत्र दामोदर राव को झाँसी का उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया और राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने की घोषणा की। यहीं से एक रानी का वीरांगना के रूप में उदय हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने गर्जना की, 'मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी!' यह केवल एक वाक्य नहीं था, बल्कि भारतीय स्वाभिमान का वह शंखनाद था, जिसने सोए हुए राष्ट्र को जगाया।

ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध उनकी अडिगता और विरोध ने उन्हें उस महासंग्राम का केंद्रीय चेहरा बना दिया, जिसने भारत में अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। रानी ने एक ऐसी सेना का गठन किया जिसमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर युद्ध किया। झलकारी बाई जैसी उनकी सहयोगी ने नारी शक्ति और निष्ठा का नया मानदंड स्थापित किया।

रणक्षेत्र में अद्वितीय पराक्रम

झाँसी के किले पर जनरल ह्यूरोज़ के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना के आक्रमण का रानी ने जिस

अद्भुत साहस से सामना किया, वह आज भी रोमांच भर देता है। भारी संख्या बल और आधुनिक हथियारों से लैस अंग्रेजों के सामने मुट्ठी भर सैनिकों के साथ डटे रहना, रानी की अदम्य इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। किले से बाल-पुत्र दामोदर राव को पीठ पर बांधकर, घोड़े पर सवार होकर उनका निकलना, साहस और मातृत्व की पराकाष्ठा को दर्शाता है।

झाँसी से निकलकर, कालपी और ग्वालियर तक उन्होंने विद्रोही ताकतों का नेतृत्व किया। तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के साथ मिलकर उन्होंने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। ग्वालियर में, वीरगति प्राप्त करने से ठीक पहले, रानी ने अपने अंतिम युद्ध में जो शौर्य दिखाया, उसने जनरल ह्यूरोज़ को भी कहने पर मजबूर कर दिया कि 'विद्रोहियों में वह अकेली मर्द थी।' मात्र 29 वर्ष की अल्पायु में 18 जून 1858 को उनका बलिदान हुआ, लेकिन उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया।

विरासत और प्रेरणा

रानी लक्ष्मीबाई का जीवन और उनका बलिदान, भारतीय इतिहास की एक अमिट छाप है। वह न केवल स्वतंत्रता संग्राम की नायिका हैं, बल्कि वह हर उस भारतीय महिला के लिए प्रतीक हैं जिसने अपनी पहचान, अधिकार और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया है। उनकी गाथा हमें सिखाती है कि नेतृत्व लिंग या उम्र का मोहताज नहीं होता, बल्कि साहस, संकल्प और न्याय के प्रति समर्पण से आता है।

उनकी स्मृति में 'रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार' दिए जाते हैं, जो महिला सशक्तिकरण और असाधारण वीरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हैं। यह पुरस्कार हमें याद दिलाते हैं कि रानी की आत्मा आज भी उन महिलाओं में जीवित है जो अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाती हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ती हैं।

आज जब राष्ट्र एक सशक्त और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर है, हमें रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान को केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें उनके निर्भीक स्वभाव, दूरदर्शिता, और राष्ट्रप्रेम को अपने आचरण में उतारना चाहिए। उनका यह आदर्श कि, 'स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,' हमें आज भी हर प्रकार के शोषण और अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा देता है।

सच ही कहा गया है

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का शौर्य हमेशा हमें याद दिलाएगा कि मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उनका नाम अमर है।

-डॉ. राघवेंद्र शर्मा
विनायक फीचर्स

समाजवाद से दूरी ने कहीं का नहीं छोड़ा

बिहार में एनडीए की जीत को अपने-अपने नजरिए से देखा और विश्लेषित किया जा रहा है। बिहार में एनडीए की जीत के पीछे किसी को चुनाव आयोग की मिलीभगत दिख रही है तो किसी को सत्ता का दुरूपयोग तो कोई इसे भीतरघात के रूप में देख रहा है। लेकिन किसी ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि बिहार के पूरे प्रचार अभियान में सत्ता के दावेदार विपक्षी गठबंधन ने कितनी बार कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, लोहिया की सप्त क्रांति की बात छोड़िए, कितनी बार जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की चर्चा हुई? यह सवाल इसलिए जरूरी और वाजिब लगता है, क्योंकि महागठबंधन की अगुआई जो राष्ट्रीय जनता दल कर रहा है या कर रहा था, घोषित तौर पर लालू प्रसाद यादव उसके प्रमुख हैं। जो नहीं जानते हैं, उनके लिए यह बताना जरूरी है कि लालू यादव जिस आंदोलन की उपज माने जाते हैं, उस जेपी आंदोलन के अगुआ जयप्रकाश नारायण रहे हैं। जयप्रकाश नारायण कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से थे और लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल घोषित तौर पर समाजवादी विचारधारा वाला दल है। जिस तरह लालू परिवार की सिरफुट्टौवल की बातें चारदीवारी से बाहर आ रही हैं, उससे साबित हो रहा है कि लालू अपनी पार्टी के सिर्फ कहने भर के अध्यक्ष हैं। पार्टी पर उनकी बजाय तेजस्वी यादव की पकड़ कहीं ज्यादा मजबूत है। एक तरह से कह सकते हैं कि तेजस्वी ही इस पार्टी के मालिक हैं। तेजस्वी जिन लोगों से घिरे हुए हैं, उन्हें तपी-तपाई समाजवादी विचारधारा से कुछ लेना-देना नहीं है। पार्टी भले ही घोषित रूप से समाजवादी हो, लेकिन हकीकत में पार्टी पर वामपंथी वैचारिक धारा का कब्जा है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव और रमीज का नाम घर से बाहर निकाले गए तेजप्रताप यादव ने कभी खुलकर नहीं लिया, लेकिन घर से बेआबरू होकर निकली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी ने दोनों का खुलकर नाम ले लिया है। वैसे बिहार में पहले से ही चर्चा थी कि तेजस्वी को इन्हीं दोनों नामों पर भरोसा है। पता नहीं, इन दोनों ने हाथ तेजस्वी कौन की नस दबी है, लेकिन अब साफ हो गया है कि परिवार की कीमत पर अगर तेजस्वी इन पर भरोसा करते हैं तो तय है कि इसके पीछे कुछ न कुछ गंभीर कारण जरूर हैं। उनकी सियासी प्रतिभा नहीं। अगर उनकी सियासी प्रतिभा होती तो बेशक तेजस्वी आज सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होते, लेकिन कम से शर्मनाक हार के किनारे पर उनका दल नहीं पहुंचा होता। जनता दल से अलग राष्ट्रीय जनता दल गठित करते वक्त ही तय हो गया था कि समाजवादी दर्शन की खोल में राष्ट्रीय जनता दल परिवारवाद का परचम लहराने की कोशिश करेगा। उसने लहराया भी, लेकिन उसने गांधी, लोहिया और जयप्रकाश के नाम का मुखौटा धारण किए रखा। 2025 का विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव रहा, जिसमें ना तो टीवी और अखबारी चर्चाओं में इस दल ने लोहिया, जयप्रकाश या कर्पूरी ठाकुर का नाम लिया, ना ही मैदानी चुनावी सभाओं में इस पर फोकस किया गया। राष्ट्रीय जनता दल का टेलीविजन चैनलो पर पक्ष रखने के लिए तीन महिलाएं आगे कर दी गईं। प्रियंका भारती, कंचना यादव और सारिका पासवान को सौम्य और मृदु मृत्युंजय तिवारी और पढ़ाकू बौद्धिक मनोज झा के मुकाबले तवज्जो दी गई। तीनों महिलाएं बहस कम, बदतमीजी ज्यादा करती दिखीं। उन्हें लगा कि दबंग आवाज में अपनी बात रखेंगे तो वह दूर तक सुनी जाएगी। इन्होंने अपने विपक्षी नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे, उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की।

-उमेश चतुर्वेदी

आंचलिक

पुलिस ने 48 नाबालिगों को ढूंढा, ऑपरेशन मुस्कान के तहत परिजनों को सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन ● खरगोन पुलिस द्वारा नवंबर 2025 में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत बड़ी सफलता मिली है। पिछले 17 दिनों में पुलिस ने प्रदेश और प्रदेश के बाहर से कुल 48 नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंपा है। इस अभियान के तहत बच्चों को विभिन्न घटनाओं से बचाने के लिए एनिमेशन फिल्मों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। सेगांव में 500 से अधिक बच्चों ने एक साथ यह फिल्म देखी। खरगोन के अलावा, सेगांव और बिस्टान के स्कूलों में भी सघन जागरूकता अभियान चलाया जा

रहा है। पुलिसकर्मी बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के संबंध में जानकारी दे रहे हैं। स्कूली बच्चों को पॉक्सो एक्ट, आत्मरक्षा के तरीके, बाल विवाह अधिनियम, भ्रूण हत्या रोकने के उपाय और साइबर फ्रॉड से बचाव के बारे में भी बताया जा रहा है। उन्हें महिला हेल्पलाइन 1090, पुलिस हेल्पलाइन 100/112, साइबर हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, राष्ट्रीय महिला आयोग 7827170170 और एंटी-ट्रैफिकिंग हेल्पलाइन 10582 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार :राष्ट्रपति ने कलेक्टर- सीईओ को किया सम्मानित, जल संचय में देश में रहा नंबर-1

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में खंडवा जिले को बड़ी उपलब्धि मिली है। जल संचयन जन भागीदारी अभियान में देश में प्रथम आने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता और जिला पंचायत ष्टश्वह्व डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा को सम्मानित किया। इसके साथ ही जिले की कावेश्वर पंचायत को भी सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत श्रेणी में दूसरा पुरस्कार मिला है। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के 'जल शक्ति अभियान: कैच द

रेन' के तहत शुरू की गई 'जल संचय, जन भागीदारी' पहल में खंडवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी के चलते जिले ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए खंडवा जिले को 2 करोड़ रुपए का पुरस्कार मिला है। इसी तरह खंडवा जिले की ग्राम पंचायत कावेश्वर को जल संरक्षण के उल्लेखनीय कार्यों के कारण राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार के लिए चुना गया। इसके लिए पंचायत को 1.50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत द्वारा पिछले सालों में कावेरी नदी के उद्गम कुंड का जीर्णोद्धार किया गया। साथ ही पंचायत के पहाड़ी क्षेत्र को वाटरशेड के मूल सिद्धांत 'रिज टू वैली' के आधार पर विकसित किया गया।

इसके तहत करीब 50 हेक्टेयर क्षेत्र में कंटूर, 55 गली प्लग, 35 पोखर तालाब, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, हैंडपंप रिचार्ज, बोरवेल रिचार्ज और रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण किया गया।

किसान महासंघ का 1 दिसंबर को हाईवे पर आंदोलन, खरगोन में रूपरेखा बनी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन ● राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ 1 दिसंबर को आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर खलघाट टोल के पास किसान आंदोलन करेगा। इस प्रदर्शन में निमाड़ क्षेत्र के चार जिलों के किसान ट्रैक्टरों के साथ पहुंचेंगे। खरगोन जिले के बासवा और डोंगरगांव में जिला स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है। प्रतिनिधियों ने किसानों से अपील की है कि वे अपने साथ आटा, दाल, दो जोड़ी कपड़े और पहले दिन के लिए दो समय का भोजन लेकर आएं। संगठन ने संकेत दिया है कि यह आंदोलन लंबा चल सकता है। महासंघ की प्रमुख मांगों में किसानों की ऋण मुक्ति, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा कपास की खरीदी, मक्का खरीदी और गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करना शामिल है।

'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर कार्यक्रम का विरोध एनएसयूआई ने कॉलेज परिसर में किया प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगौन ● 'वन नेशन वन इलेक्शन' कार्यक्रम के दौरान ह्स्ड्ड ने विरोध प्रदर्शन किया। कॉलेज परिसर में आयोजित छात्र संवाद में सांसद गजेंद्र सिंह पटेल और विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका के साथ देश के लिए एक राष्ट्रीय चुनाव की जरूरत बताई। विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 15 दिन के भीतर दोबारा चुनाव कराने की स्थिति बनी थी, जिससे एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता बढ़ जाती है। कार्यक्रम स्थल के बाहर ह्स्ड्ड कार्यकर्ताओं ने कॉलेज परिसर में धरना दिया और नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि हॉस्टल से छात्रों को दबाव डालकर कार्यक्रम में बुलाया गया था।

एनएसयूआई ने प्रभारी प्राचार्य रवींद्र बर्वे के समक्ष कॉलेज परिसर में राजनीतिक कार्यक्रम की अनुमति पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले आरएसएस का कार्यक्रम भी हुआ था और लगातार ऐसे आयोजन हो रहे हैं, जिससे कॉलेज को राजनीति का अखाड़ा बनाया जा रहा है। सूचना मिलने पर एसडीओपी रोहित लखारे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी।

73 साल की लकवाग्रस्त महिला एयरलिफ्ट पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से इंदौर भेजा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●प्रदेश की पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के तहत मंगलवार सुबह खंडवा जिले की 73 वर्षीय लकवाग्रस्त महिला को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया। पंधाना विकासखंड के ग्राम शाहपुरा निवासी ताराबाई पति बलिराम को रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण लकवा हो गया था। उन्हें खंडवा की नागचून हवाई पट्टी से एयर एंबुलेंस द्वारा इंदौर के एमवाय अस्पताल भेजा गया। एंबुलेंस ने सुबह 10 बजे इंदौर के लिए उड़ान भरी। मरीज के साथ उनके परिजन लक्ष्मण ओसवाल भी इंदौर गए। उन्होंने ताराबाई के उपचार के लिए एयर एंबुलेंस की यह फ्री सुविधा मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का

आभार जताया। इस दौरान खंडवा महापौर अमृता यादव और विधायक प्रतिनिधि मुकेश तनवे भी हवाई पट्टी पर मौजूद थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण ताराबाई लकवा ग्रस्त हो गई थीं। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए आज एयर एंबुलेंस के माध्यम से इंदौर भिजवाया गया है, ताकि वहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

निजी अस्पताल में महिला की मौत मामला सांसद ने कलेक्टर से की मुलाकात

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर में खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने मंगलवार दोपहर कलेक्टर हर्ष सिंह से मुलाकात कर एक निजी अस्पताल में गर्भाशय के ऑपरेशन के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की। कलेक्टर ने मामले को गंभीर मानते हुए एडीएम वीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में जांच दल बना दिया है। यह घटना करीब सात दिन पुरानी है। जैनाबाद निवासी वैष्णवी पति नागेश चौहान को 11 नवंबर को लालबाग रोड स्थित हकीमी अस्पताल में ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, सुबह 8 बजे भर्ती करने के बाद शाम तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। शाम साढ़े छह बजे अस्पताल ने बताया कि महिला की मौत हो चुकी है। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। अगले दिन महिला का पोस्टमार्टम पैनल द्वारा एक महिला अधिकारी की मौजूदगी में कराया गया। वहीं, सिविल सर्जन ने डॉ. रेहाना बोहरा को स्त्रीरोग विशेषज्ञ के पद से हटा दिया। आरोप है कि वे सरकारी अस्पताल में पदस्थ रहते हुए निजी अस्पताल में भी सेवाएं दे रही थीं। सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि परिजनों के आरोप गंभीर हैं, इसलिए पूरे मामले की सत्यता सामने लाना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को नियमों के तहत काम करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

दो कॉलोनाइजरों पर केस दर्ज, तहसीलदार की शिकायत पर अवैध कॉलोनी निर्माण मामले में एफआईआर

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● शहर में अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में दो कॉलोनाइजरों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। तहसीलदार प्रवीण ओहरिया ने लालबाग थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने ग्राम स्वराज अधिनियम 1933 की धारा 61-घ, 3 में मामला दर्ज किया। तहसीलदार ने अपनी शिकायत में एसडीएम बुरहानपुर के 16 अक्टूबर 2025 के पत्र का हवाला दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि विजय पिता भागवत सावले और श्याम पिता जगदीश दातेराव ने ग्राम बहादरपुर में बिना अनुमति कॉलोनी काटना शुरू कर दिया था। एसडीएम ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद कार्रवाई की गई। लालबाग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कई कॉलोनाइजरों पर अवैध कॉलोनी निर्माण के मामलों में कार्रवाई कर चुका है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट के समय में नजर आयेंगे बदलाव

गुवाहाटी (एजेंसी) • भारत और इंग्लैंड के बीच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में समय के साथ ही अन्य कुछ बदलाव भी नजर आयेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां के मौसम को देखते हुए समय में ये बदलाव किया गया है। इसके तहत ही ये मैच सुबह 9 बजे शुरु होगा जबकि आमतौर पर भारत में मैच 9.30 पर शुरु होते हैं। पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त जल्दी होने के कारण समय में बदलाव किया है। इसी के तहत ही गुवाहाटी में टॉस सुबह 8:30 बजे कराया जाएगा और फिर पहली गेंद 9 बजे फेंकी जाएगी। पांचों दिन पहला सत्र 9 से 11 बजे तक होगा। इसके बाद 20 मिनट का चाय का ब्रेक होगा। दूसर सत्र 11.20 बजे से 1.20 बजे तक चलेगा। दूसरे सत्र की समाप्ति के बाद 40 मिनट का लंच ब्रेक रहेगा। फिर दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अंतिम सत्र होगा। यदि तय समय में पूरे ओवर नहीं होते हैं तो खेल को आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रकार मुकाबला शाम 4.30 बजे तक आगे बढ़ सकता है। ये पहली बार होगा जब किसी टेस्ट में पहले टी ब्रेक और फिर लंच ब्रेक होगा। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह व्यावहारिक फैसला है। सर्दियों के समय पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त बहुत जल्दी हो जाते हैं। शाम 4 बजे तक रोशनी काफी कम हो जाती है और उसके बाद ज्यादा खेलनो संभव नहीं हो पाता है। इसी चलते हमने इस टेस्ट मैच को जल्दी शुरू करने का फ़ैसला लिया है। इस सीरीज का पहला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने 30 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त ली है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा।

अर्जुन तेंदुलकर ने सीनियर क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किये

मुंबई (एजेंसी) • गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अर्जुन ने इस मैच में सौराष्ट्र के हरविक देसाई को 45 रन पर आउट करने के साथ ही सीनियर क्रिकेट में अपने विकेटों का शतक पूरा किया। उन्होंने सीनियर क्रिकेट में अपना पहला विकेट जनवरी 2021 में हरियाणा के खिलाफ अपनी पुरानी टीम मुंबई की ओर से डेब्यू मैच में लिया था। अर्जुन ने मुंबई की ओर से केवल एक सीनियर मैच खेला हैं। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। उन्होंने दिसंबर 2022 में राजस्थान के खिलाफ मैच में गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने पिता सचिन तेंदुलकर की तरह ही डेब्यू में शतक लगाया था।

अर्जुन ने रणजी डेब्यू से एक महीने पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए में डेब्यू किया था। अर्जुन के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 48 विकेट हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 25 बल्लेबाजों को आउट किया है। अर्जुन के नाक टी20 में 27 विकेट हैं। अर्जुन आईपीएल 2021 की मिनी-नीलामी में अपने बेस प्राइस 20 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस पहुंचे थे। उन्होंने आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी उन्हें उसी कीमत पर फिर से लिया था। अर्जुन ने 2023 में आईपीएल में डेब्यू किया और उस सीजन में 4 मैचों में 3 विकेट लि। उन्होंने आईपीएल 2024 में केवल एक मैच खेला था।

कोलकाता टेस्ट में पिच को दोष देना गलत- गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) • भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कोलकाता टेस्ट में पिच का बचाव करने का मुख्य कोच गौतम गंभीर का फैसला बिलकुल सही है। गावस्कर ने कहा कि पिच को बिना कारणों के दोष दिया जा रहा है। पिच खतरनाक नहीं थी। रही भारतीय बल्लेबाज़ों के विकेट खोने की बात तो वे टेम्परामेंट और तकनीक की कमी के कारण असफल रहे।

कोलकाता टेस्ट तीन दिन भी नहीं चला। इस मैच में भारतीय टीम 124 के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 93 रन ही बना पायी। इस मैदान की पिच पहले ओवर से ही अनियमित उछाल और टर्न का सामना कर रही थी। गंभीर ने कहा कि पिच में कमी नहीं थी। उन्होंने सीधा दोष बल्लेबाज़ों पर रखा और कहा कि उनसे इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। गावस्कर ने कहा, मैं गंभीर से पूरी तरह सहमत हूं। 124 रन इस पिच पर हासिल किये जा सकते थे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। बहुत लोग कह रहे हैं कि पिच क्या कर रही थी पर अगर आपने देखा हो कि साइमन हार्मर एक ओवर में कितनी गेंदें टर्न करा रहे थे? वह गेंदों में बहुत बदलाव कर रहे थे। वह सीधी गेंद फेंक रहे थे और कभी-कभी एक गेंद को टर्न करा देते थे।. गावस्कर ने भारतीय बल्लेबाज़ों के स्वभाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे बहुत जल्दी बड़े शॉट खेलने के प्रयास कर रहे थे। दन्होंने कहा, यह कोई खतरनाक टर्निंग पिच नहीं थी. यह ऐसी पिच थी जिस पर आपको पांच दिन का टेस्ट खेल रहे हों, ऐसा बल्लेबाज़ी करनी थी, न कि 50 ओवर या टी20 की तरह कि तीन डॉट गेंदों के बाद आप बड़ा शॉट खेलने लग जाएं। यही मुख्य समस्या है।

एक हीरो, तीन विलेन, रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में रणवीर सिंह का खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। धुरंधर में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसे आदित्य धर ने ही डायरेक्ट, प्रोड्यूस किया है और लिखा भी है। आदित्य धर हर बार कुछ ऐसा लेकर आते हैं जो लोगों को इंप्रेस कर देता है। ये फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और आज इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है।

शीना चौहान वेब सीरीज 'भयावह' में निभाएंगी भावनात्मक भूमिका

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री शीना चौहान ने खुलासा किया है कि उनकी आने वाली वेब सीरीज 'भयावह' में उनके किरदार को गढ़ने में हॉलीवुड स्टार एंजेलिना जोली और उनके प्रतिष्ठित किरदार 'मेलफिसेंट' ने सबसे अधिक प्रभाव डाला। डिज्नी की फिल्म मेलफिसेंट में एंजेलिना जोली ने जिस तरह एक खलनायिका को ताकत, भावनाओं और गहरे मानवीय पहलुओं के साथ पेश किया, उसने दुनिया भर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना चौहान कहती हैं कि उन्होंने इस किरदार से बहुत कुछ सीखा और वही जादू अपने अभिनय में भी लाने की कोशिश की। शीना ने बताया कि एंजेलिना जोली ने सिर्फ एक 'विलेन' नहीं निभाया, बल्कि एक ऐसी महिला का चरित्र जिंदा किया जिसमें शक्ति, प्रेम, गुस्सा, दर्द और करुणा का अनोखा संगम था। उनकी इसी संतुलित प्रस्तुति ने शीना को अपने किरदार के भावनात्मक पहलुओं को समझने और उसे गहराई देने में मदद की। शीना के अनुसार, उन्होंने अपने किरदार में भी वही भावनात्मक परतें जोड़ने की कोशिश की है ताकि दर्शक उससे केवल डरें ही नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं को भी महसूस कर सकें। सीरीज भयावह में शीना चौहान एक विद्रोही, जुनूनी और इंसानियत से भरी महिला का किरदार निभा रही हैं।

उज्जैन संभाग

लैंड पूलिंग की वापसी पर किसानों का ढोल-आतिशबाजी, धरने के बजाय जश्न मना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ 2028 के लिए लाई गई लैंड पुलिंग योजना को राज्य सरकार ने वापस ले लिया है। सोमवार देर रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों के बीच दो घंटे चली बैठक के बाद यह निर्णय घोषित किया गया। घोषणा के बाद उज्जैन में किसानों ने आतिशबाजी की और ढोल की थाप पर नाचकर खुशी मनाई। किसानों ने सिंहस्थ की भूमि से मिट्?टी ली और भूमि देवी के मंदिर में अर्पित की। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और बाहर ही जश्न मनाया। लेकिन जश्न के बीच कांग्रेस ने सरकार पर बड़े सवाल उठाए हैं। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उज्जैन कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी और तराना विधायक महेश परमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की घोषणा पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में इस योजना को सही बताया गया था, तो अब अचानक इसमें बदलाव किस आधार पर किया गया? सरकार ने सिंहस्थ के लिए स्थायी निर्माण करने की योजना बनाई थी, जिसके लिए लैंड पुलिंग योजना लाई गई। इसमें 2378 हेक्टेयर भूमि पर निर्माण किया जाना था।

कांग्रेस नेताओं ने पूछा— 'यदि लैंड पुलिंग एक्ट वापस हो गया है, तो क्या आज की कैबिनेट बैठक में इसका औपचारिक निर्णय लिया गया?' 'सरकार स्पष्ट करे कि एक्ट सिर्फ उज्जैन के लिए वापस हुआ है या पूरे प्रदेश में समाप्त किया गया है?' कांग्रेस ने यह भी कहा कि सरकार स्पष्टीकरण दे कि प्रदेश के अन्य जिलों में लागू लैंड पुलिंग प्रावधानों का क्या होगा।

8 महीनों से चल रहा था इसे लेकर विरोध

इस योजना के विरोध में भारतीय किसान संघ और किसान संघर्ष समिति लगातार आंदोलन कर रहे थे। किसान संघ ने मंगलवार से 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन की घोषणा कर दी थी। किसान परिवार सहित राशन-पानी और बिस्तर लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचने वाले थे। इसी दबाव के बीच सीएम ने देर रात बैठक बुलाकर योजना वापस लेने की घोषणा की।

सीएम बोले-किसानों की सहमति से ही डेवलपमेंट

बाल विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद सीएम ने कहा- हमारे लिए सौभाग्य की बात विश्व का सबसे बड़ा मेला सिंहस्थ है। साधु-संतों के साथ ही भव्यता की चिंता की है। किसानों के साथ उनकी सहमति के आधार पर विकास के आधार पर अच्छा प्लान कर रहे हैं। भविष्य में कोई बड़ी लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पैदा ना हो, इसके लिए प्रबंधन किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम बोले-सिर्फ सिंहस्थ क्षेत्र के लिए फैसला

कैबिनेट के बाद हुई ब्रीफिंग के दौरान सवाल पर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संबंधित विभाग इस पर काम करेगा तब सारी चीजें सामने आएंगी। आप इस मामले में आश्वस्त रह सकते हैं वहां चारों तरफ सिंहस्थ को लेकर तैयारियां चल रही हैं। सिक्स लेन, फोर लेन रोड बन रहे हैं, फ्लाइओवर, घाट बन रहे हैं। उसके साथ ही ज्यादा बेहतर व्यवस्थाएं हो सकें उसके लिए जो निर्णय हुए थे उसमें से लैंड पुलिंग एक्ट को वापस लिया है। तराना विधायक महेश परमार ने कहा कि यह किसानों की जीत है। उनके संघर्ष और परिश्रम की जीत है। किसानों को जमीन से बेदखल किया जा रहा था। हम उनके केवल सहयोगी है। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा हमेशा किसानों के हित में रही है। 70 हजार का कर्जा हमने मनमोहन सरकार में माफ किया। किसानों के लिए राहुल गांधी ने 4 गुना मुआवजे की बात कही। सड़क से लेकर सदन तक हम किसानों के साथ खड़े रहे। महाकाल के दर्शन से लेकर प्रभात फेरी में हम किसानों के साथ खड़े रहे।

ये थी लैंड पुलिंग स्कीम

50 प्रतिशत भूमि उज्जैन विकास प्राधिकरण लेता और बची 50% किसान या भूस्वामी के पास ही रहती। 25 प्रतिशत भूमि में रोड (सेंटर लाइटिंग, स्टॉर्म वाटर ड्रेन, सीवर एवं वाटर लाइन और अंडर ग्राउंड विद्युत लाइन) निर्माण होना था। 5 प्रतिशत भूमि पर पार्क (बच्चों के लिए झूले एवं स्लाइड्स, आम पब्लिक के लिए वॉकिंग पाथवे, ओपन जिम एवं लॉन व प्लांटेशन) विकसित किए जाने का प्लान था। 5 प्रतिशत भूमि पर आमजन की सुविधा के लिए पार्किंग, जनसुविधा केंद्र, हॉस्पिटल, स्कूल, विद्युत सब-स्टेशन आदि निर्माण होना था।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर पदयात्रा, सांसद समेत जनप्रतिनिधियों और छात्रों ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' थीम पर निकाला यूनिटी मार्च

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा • सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत' थीम पर यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। भाजपा द्वारा आयोजित इस मार्च में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक मधु गेहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, जिला प्रशासन के अधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हुए। यह पदयात्रा दोपहर एक बजे जनपद कार्यालय से शुरू हुई। यह छावनी नाका, गोपाल मंदिर और हॉस्पिटल चौराहा होते हुए पुरानी कृषि उपज मंडी तक पहुंची, जहां इसका औपचारिक समापन किया गया।

समापन स्थल पर सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा कि देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारत में विलय कर देश को एकजुट किया। उन्होंने जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद और संप्रदायवाद को समाप्त कर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार किया।सांसद सोलंकी ने बताया कि इस यूनिटी मार्च का उद्देश्य सरदार पटेल के एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। सांसद सोलंकी ने उपस्थित बच्चों और नागरिकों को एकता तथा नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

यह भी रहे उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, विधायक मधु गेहलोत और एसपी विनोद कुमार सिंह ने भी सरदार पटेल के योगदान और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। मार्च के दौरान उत्साह, देशभक्ति और एकता का वातावरण देखा गया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में अंतर जिला युवा उत्सव शुरू, 7 जिलों के 400 प्रतिभागी आए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय अंतर जिला युवा उत्सव की शुरुआत हुई। इस आयोजन में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के सात जिलों से लगभग चार सौ प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। ये युवा साहित्यिक, सांस्कृतिक और रूपांकन की कुल 22 विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यहां से चयनित विद्यार्थी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। युवा उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी कुलगुरु प्रो. उमा शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथियों में कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा, नई दिल्ली के पीएफ कमिश्नर रिजवानुद्दीन और डीसीडीसी प्रो. देवेंद्र मोहन कुमावत शामिल थे। अतिथियों का स्वागत डीएसडब्ल्यू प्रो. सत्येंद्र किशोर मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कुलगान और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस मौके पर कुलानुशासक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि युवा उत्सव सर्जनात्मक संभावनाओं का मंच है। उन्होंने युवाओं से कला की शास्त्रीय और लोक परंपराओं को समझने के साथ नवाचार के लिए आगे आने का आह्वान किया। पीएफ कमिश्नर रिजवानुद्दीन ने युवाओं को अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुरूप भविष्य में बढ़ने की सलाह दी, साथ ही लक्ष्य के सही समय पर निर्धारण को प्रगति का आधार बताया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. उमा शर्मा ने कहा कि युवा उत्सव जैसे कार्यक्रम युवा शक्ति के कौशल और ज्ञान को आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन के बाद अलग-अलग स्पर्धाओं में युवाओं ने अपनी प्रतिभा, कौशल और अभ्यास का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन दुर्गा शंकर सूर्यवंशी ने किया, जबकि आभार प्रो. देवेंद्र मोहन कुमावत ने व्यक्त किया। इस दो दिवसीय युवा उत्सव का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह 19 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जल संचय, जन भागीदारी' में खण्डवा जिले को मिला प्रथम पुरस्कार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार के अंतर्गत नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत की श्रेणी में खंडवा जिले की कावेश्वर पंचायत को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने खण्डवा के कलेक्टर ऋषव गुप्ता एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा को पुरस्कार प्रदान किया। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के 'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन' के तहत शुरू की गई 'जल संचय, जन भागीदारी' पहल में खण्डवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, इसके लिए खण्डवा जिले को 2 करोड़ रूपये का पुरस्कार मिला है।

सत्संग केंद्र के चौकीदार ने महिला पर की टिप्पणी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात सत्संग केंद्र के चौकीदार द्वारा पास की बिल्डिंग में रहने वाली एक महिला पर अभद्र टिप्पणियां करने का मामला सामने आया है। महिला के वकील पति ने घटना के बाद पुलिस को 112 डायल पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और चौकीदार को थाने लेकर आई, लेकिन थाने में मामला दर्ज कराने को लेकर करीब एक घंटे तक वकील और टीआई के बीच तीखी बहस होती रही। वीर सावरकर नगर स्थित सत्संग केंद्र के चौकीदार अशोक पर आरोप है कि वह देर रात नशे की हालत में वकील के फ्लैट के बाहर पहुंचा और उनकी पत्नी के लिए अभद्र टिप्पणियां करने लगा। वकील का कहना है कि जब वे बाहर आए और अशोक को समझाया, तो उसने गाली-गलौच करते हुए धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद 112 पर कॉल की गई। चौकीदार को थाने लाने के कुछ समय बाद ही सत्संग केंद्र से जुड़े पदाधिकारी थाने पहुंच गए।

स्कीम 171 के 32 साल से आईडीए से पीड़ित पहुंचे कलेक्टर के पास

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की बेफिजूल की जिद और स्कीम में 32 साल से उलझे 13 सोसायटी के हजारों पीड़ितों की ओर से फिर शिकायत हुई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में एक बार फिर पुष्पविहार रहवासी संघ कलेक्टर शिवम वर्मा के पास पहुंचा। और आईडीए द्वारा किए जा रहे अन्यायपूर्ण, तानाशाही रवैए पर गहरी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद आईडीए के द्वारा हो रहे अन्याय और तानाशाही रवैये पर अपनी गहरी नाराजगी जताई।

पीड़ितों ने साफ कहा कि साल 1993 में यह स्कीम 171 आईडीए ने लगा दी। इसके बाद ना जमीन का अधिग्रहण कर मुआवजा दिया और ना ही खुद विकास किया। 32 साल से 6 हजार से ज्यादा परिवारों को अपने ही प्लॉट पर मकान बनाने की मंजूरी नहीं है। लंबी लड़ाई के बाद शासन ने स्कीम से मुक्ति का नोटिफिकेशन/नियम जारी किए। इसके तहत दस फीसदी से कम

विकास होने पर राशि भरकर स्कीम मुक्त होना थी। यह राशि 5.89 करोड़ रुपए जीएसटी के साथ दिसंबर 2024 में भर चुके हैं। नियमों के तहत केवल स्कीम (इंदौर स्कीम 171) मुक्ति का नोटिफिकेशन जारी होना है, जो नहीं किया जा रहा है। यह विशुद्ध अमानत में खयानत का मामला है, क्योंकि एक साल पहले राशि ली जा चुकी है। पीड़ितों ने एनके मिश्रा के नेतृत्व में कलेक्टर से मुलाकात की। विधायक महेंद्र हार्डिया भी विविध मंचों पर इसके लिए बात उठा चुके हैं। हाल ही में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी विधायक ने मजबूती से यह मुद्दा उठाया था। इस दौरान कहा था कि कब तक स्कीम (इंदौर स्कीम 171 केस) के नाम पर झुलाओगे। वहीं पीड़ितों से मुलाकात पर कलेक्टर ने आईडीए सीईओ से भी इस मुद्दे पर बात की। बताया गया कि इस पर विचार हो रहा है। वहीं कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इस मामले में जिला प्रशासन जो नियम अनुसार बेहतर हो सकता है वह करेगा। राशि भरने के बाद इस स्कीम को मुक्त करने का मामला उठाया गया था। अगस्त 2025 में हुए बोर्ड मीटिंग में यह प्रस्ताव पास हुआ था कि सहकारी संस्थाओं की जमीन तो मुक्त कर दी जाए। 20 हेक्टेयर सरकारी जमीन और 38 हेक्टेयर निजी जमीन पर फिर से नई स्कीम लागू की जाए। इसके लिए आईडीए ने पूरी जमीन का सर्वे किया। खसरा नंबर सहित नक्शा, प्रस्ताव, खर्च और आय की रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट मप्र शासन को भेजी गई। इसके बाद बात आगे नहीं बढ़ी। वैसे भी, नियमों के मुताबिक, राशि जमा होने के बाद केवल मुक्ति का नोटिफिकेशन जारी करना था। नई स्कीम लगेगी तो पहले स्कीम 171 हटाने का नोटिफिकेशन होगा और फिर बाकी सर्वे नंबर के साथ नई स्कीम लागू की जाएगी।

स्कीम 171 में 13 सोसायटी के साथ 211 निजी स्वामित्व की भी कुल 151 हेक्टेयर जमीन है। इसमें शासकीय जमीन 20 हेक्टेयर और निजी भूधारकों की 38 हेक्टेयर करीब है। इसमें पीड़ितों की संख्या करीब छह हजार प्लाट धारक है। सोसायटी में देवी अहिल्या श्रमिक कामगार सहकारी संस्था, इंदौर विकास गृह निर्माण संस्था, मजदूर पंचायत गृह निर्माण संस्था।

दो साल नौ माह की बेटी को दुर्लभ बीमारी, इलाज के लिए लगेगा 9 करोड़ का इंजेक्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की दो साल नौ माह की बेटी को दुर्लभ गंभीर बीमारी हो गई है। वह इलाज के इंतजार में हैं और इलाज केवल अमेरिका में हो सकता है। इसके लिए 9 करोड़ का इंजेक्शन लगेगा। मां की पूरे इंदौर और देशवासियों से अपील, जो मदद हो सके कीजिए। कलेक्टर शिवम वर्मा ने भी इस मामले में पहल की है। उन्होंने विविध दानदाताओं से अपील की है और वह पीथमपुर की कंपनियों से भी सीएसआर के तहत इस राशि की व्यवस्था में जुट गए हैं। मां ने बताया कि बेटी को रेयर गंभीर एसएमए टाइप टू मस्कुलर बीमारी है, एसएमए टाइप टू। इसमें समय के साथ मांसपेशियां कमजोर हो जाती है और बच्चा चल नहीं पाता है। बच्ची को माता-पिता ने एम्स में दिखाया है और वहां से उपचार के लिए 9 करोड़ के इंजेक्शन की जरूरत बताई गई है। मां सरिता शर्मा निवासी न्यू द्वारिकापुरी इंदौर ने सीएम डॉ. मोहन यादव से और लाड़ली बहनाओं से भी मदद की अपील की है। हर महीने महिलाओं को मिलने वाले 1500 रुपए में से 10-10 रुपए भी उपचार के लिए दिए जाएं तो इलाज हो जाएगा।

विजय नगर के आसपास की 100 फीट सड़क के लिए होगी तोड़फोड़

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सबसे मुख्य क्षेत्रों में से एक विजय नगर के आसपास की सड़कों को भी मास्टर प्लान में शामिल किया गया है। भमोरी चौराहे से एमआर 10 और राजशाही गार्डन से होटल वॉव तक की दो सड़कों को 100 फीट चौड़ा किया जाना है। मास्टर प्लॉन में शहर की 23 सड़कों को लिया गया है। कहीं, 60 तो कहीं 80 फीट सड़क बनना है, लेकिन उक्त दो सड़कों को 100 फीट चौड़ा किया जाएगा। यहां चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए कई मकान—दुकान तोड़े जाएंगे, इसका जनता विरोध कर रही है।

50 साल से कर रहे व्यापार-चौड़ी सड़कों की जद में आ रहे मकानों में रहने और कारोबार करने वाले लोग लगभग 50 साल से यहां काबिज हैं। लगभग 200 से अधिक दुकानें हैं। इसके साथ यहां पर मॉल, बिल्डिंगें और रहवासी क्षेत्र भी आते हैं। व्यापारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि सड़क को पहले 60 फीट चौड़ी करने का प्रस्ताव था। बाद में इसे 100 फीट कर दिया गया। यदि इस सड़क को 100 फीट चौड़ा किया गया तो यहां का बाजार और कई घर पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। यहां पर कंस्ट्रक्शन से जुड़े कारोबार, होटल और फर्नीचर व्यापारी व्यापार कर रहे हैं। यह सभी सड़कें मास्टर प्लान में बन रही हैं और स्थानीय स्तर पर यहां बदलाव करना संभव नहीं है। हालांकि, जनप्रतिनिधियों ने जनता से कहा है कि वे उनकी बात शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा रहे हैं, ताकि लोगों का ज्यादा नुकसान न हो और बीच का कोई रास्ता निकल सके।

इसलिए जरूरी चौड़ी सड़क

- विजय नगर और आसपास के क्षेत्र में विकास तेज होगा
- लगातार लग रहे ट्रैफिक जाम की समस्या मुक्ति मिलेगी
- नंदानगर से देवास नाका और बापट चौराहे तक यातायात सुगम होगा
- मेट्रो तक आने जाने के लिए यात्रियों को वैकल्पिक वाहन मिलेंगे

डीएवीवी : अंकसूची में बढ़ा रही सिक्यूरिटी फीचर, कार्यपरिषद में रखेंगे प्रस्ताव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) अब विद्यार्थियों को अत्याधुनिक और पूरी तरह सुरक्षित मार्कशीट देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। डिजिटल युग में फर्जी मार्कशीट की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय ने मार्कशीट का नया हाई-टेक डिजाइन तैयार कर लिया है। यह मार्कशीट न केवल आकर्षक दिखेगी, बल्कि कई स्तरों की सुरक्षा तकनीक से लैस होगी, जिससे किसी भी प्रकार की जालसाजी लगभग असंभव हो जाएगी।

नई मार्कशीट में चार प्रमुख सुरक्षा फीचर्स क्यूआर कोड, डीएवीवी का खास मोनोग्राम, किनारों पर उभरा हुआ वाटरमार्क और फाड़-रोधी उच्च गुणवत्ता का

कागज शामिल किए गए हैं। क्यूआर कोड स्कैन होते ही विद्यार्थी या कोई भी संस्था मार्कशीट की वास्तविक जानकारी तुरंत देख सकेगी, जिससे नकली दस्तावेज तुरंत पकड़े जा सकेंगे।

परीक्षा नियंत्रक अशेष तिवारी के अनुसार इन उन्नत फीचर्स की बदौलत डीएवीवी मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन सकता है, जो नई शिक्षा नीति के अनुरूप पूरी तरह सुरक्षित, डिजिटल मार्कशीट जारी करेगा। नई मार्कशीट सीधे डिजी लाकर और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) से भी जुड़ी होगी। वर्ष 2020-21 के बाद प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के पास पहले से एबीसी और आयुष्मान आईडी मौजूद हैं, जिन्हें सिस्टम के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा।

उसके बाद छात्रों को किसी भी दस्तावेज के लिए विभाग के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और वे कभी भी सत्यापित डिजिटल मार्कशीट डाउनलोड कर सकेंगे। नई शिक्षा नीति के अनुरूप अब केवल अंक नहीं, बल्कि प्रत्येक विषय के क्रेडिट भी मार्कशीट में दर्शाए जाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय ने विशेष सॉफ्टवेयर विकसित कर लिया है। जल्द ही इस प्रस्ताव को कार्यकारिणी परिषद के सामने अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

बीआरटीएस हटाने के बाद डिवाइडर निर्माण कार्य की स्वीकृति

शहर में ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर एवं चौराहा-रोटरी जनभागीदारी से दिए जाएंगे गोद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में मंगलवार महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयुक्त दिलीप कुमार यादव, महापौर परिषद सदस्य राजेन्द्र राठौर, निरंजनसिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, अभिषेक शर्मा, राजेश उदावत, नंदकिशोर पहाडिया, प्रिया डांगी, राकेश जैन, मनीष शर्मा मामा, समस्त अपर आयुक्त व अन्य उपस्थित थे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में मेयर इन कौंसिल बैठक के दौरान दिव्यांगजन पुर्नवास सहायता राशि एवं अनुदान राशि तथा दिव्यांगजन को ट्रायसिकल व अन्य उपकरण के संबंध में नियम बनाने हेतु बैठक में निर्णय लिया गया, इसके साथ ही निरंजनपुर चौराहा से राजीव गांधी चौराहा तक बीआरटीएस को हटाते हुए, नागरिकों की

सुरक्षा की दृष्टि से आरआरसी मिडियन सेन्ट्रल डिवाइडर बनाने की कार्य की स्वीकृति दी। इसके साथ ही जोन अंतर्गत विभिन्न चिंहित क्षतिग्रस्त मार्गों पर डामर पेचवर्क, रि-सर्फेसिंग कार्य, शहर में स्थित उद्यानों, ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर एवं चौराहों, रोटरियों को विकास एवं रखरखाव हेतु 30 से अधिक रजिस्टर्ड संस्थाओं, संगठनों से प्राप्त आवेदन के पश्चात गोद देने हेतु प्राप्त प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई। इसके साथ ही झोन क्रमाक 14 वार्ड 85 के अंतर्गत अक्षत गार्डन से लेकर सिरपुर वॉट टॉवर गेट नंबर 02 तक मुख्य मार्ग निर्माण स्वीकृति प्रदान की गई।

इंदौर 7 आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा विगत वर्ष में जनकार्य विभाग के कार्यों की मैराथन समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अपर आयुक्त गोहित सिसोनिया, अभय राजनगावकर, विभाग प्रमुख, समस्त जोनल अधिकारी, जनकार्य विभाग से संबधित उपयंत्री, ठेकेदार एजेंसी के प्रतिनिधि व अन्य उपस्थित थे। आयुक्त यादव द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24, वर्ष 2024-25 एवं अगस्त 2025 तक जनकार्य विभाग के माध्यम से स्वीकृत कार्यों तथा जिनके कार्यादेश जारी होने के पश्चात भी कार्य प्रारम्भ नही किये गये है, ऐसे 70 करोड के 158 चिंहित प्रकरणों की प्रकरण वार समीक्षा की गई।

ये कार्य हुए स्वीकृत-बैठक में बड़ा गणपति फ्लाय ओव्हरब्रिज के लिए अंतिम चौराहा से कंडिलपुरा तक प्रायमरी सीवरेज लाइन को स्थानांतरित करना, बिछाना, जीर्णोद्धार करना व अन्य संबंधित कार्य की स्वीकृति, शहर के विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में स्थापित निगम स्वामित्व की 44 ग्रेन्टी, 03 फुट ओव्हर ब्रिज पर 05 वर्षों के लिए विज्ञापन अधिकार ऑनलाइन निविदा की स्वीकृति एवं डोमेस्टिक बायो मेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल के संबंध में सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई।

50 किमी के दायरे में चलेगी ये बसें

अप्रैल 2026 में इंदौर से शुरू होगी प्रदेश की सुगम बस परिवहन सेवा

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● मप्र में अप्रैल, 2026 से सुगम बस परिवहन सेवा की शुरुआत होगी। इस सेवा की शुरुआत इंदौर से होगी। शुरुआत में इंदौर के आसपास 50 किलोमीटर के एरिया में ये बसें चलाई जाएंगी। इंदौर के बाद उज्जैन में बसें चलाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई मप्र यात्री परिवहन और इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के संचालक मंडल की बैठक में बसें चलाने के लिए आगामी अप्रैल की समय सीमा तय की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था विकसित करने में सामान्य यात्री की सुविधा और सुगमता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यात्री बसों के आवागमन का प्रबंधन अद्यतन तकनीक का उपयोग कर किया जाए। सामान्यजन की सुविधा के लिए व्हीकल लोकेशन, बस के आवागमन की सूचना और किराए

संकलन की सुविधा ऐप पर उपलब्ध कराई जाए। नगर निगमों द्वारा संचालित बसों, भारत सरकार द्वारा मिलने वाली ई - बसों को भी एक ही व्यवस्था के अंतर्गत शामिल किया जाए।

प्रदेश में हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म को करें प्रोत्साहित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र टूरिज्म मंडल के संचालक मंडल की मंत्रालय में हुई 8वीं बैठक में कहा कि प्रदेश में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिलाने के लिए आवश्यक पहल की जाए। इससे नवाचार के इच्छुक व्यक्तियों तथा उद्यमियों को सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे प्रदेश के विभिन्न अंचलों में पर्यटन गतिविधियों के संचालन और सुविधाओं के विस्तार में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देने की पर्याप्त संभावनाएं हैं। अत: पर्यटन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा आयुष विभाग के साथ मिलकर परस्पर समन्वय से गतिविधियां संचालित करें। जिन राज्यों में ऐसी गतिविधियां संचालित हैं, उनका अध्ययन कर प्रदेश में संभागवार कार्ययोजना बनाई जाए । वेलनेस टूरिज्म को प्रोत्साहित करने में धार्मिक संस्थाओं और ट्रस्टों का भी सहयोग लिया जा सकता है।

12 साल पहले हुए 24 करोड़ के पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाले में लोकायुक्त के चालान से हड़कंप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में 12 साल पहले पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाला हुआ था। वहीं, अब लोकायुक्त इंदौर ने चालान पेश करना शुरू कर दिया है। इसके बाद आरोपी कॉलेज संचालकों के बीच हड़कंप मच गया है। सभी कॉलेज संचालक अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट पहुंचने लगे हैं। इस मामले में दर्जन भर से अधिक कॉलेज संचालकों और सरकारी पदाधिकारियों को आरोपी बनाया गया था। यह घोटाला करीब 24 करोड़ रुपए का था। इस मामले में स्टार स्कूल समिति के शरद सिंह सिसौदिया और अन्य के खिलाफ जून 2015 में लोकायुक्त ने केस दर्ज किया था। अब चालान पेश होने पर उन्होंने जमानत आवेदन लगाया। इसमें बताया गया कि डॉ. सीएस गुट्टीधर और स्वर्गीय डॉ. गोवर्धन गिदवानी संचालक थे। इनका कोई लेना-देना नहीं था। वहीं लोकायुक्त ने बताया कि ओबीसी छात्र सचिन यादव ने श्री शिवकुमार सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में कभी प्रवेश नहीं लिया था। फिर भी 2011-12 में फर्जी दस्तावेज से प्रवेश दिखाया गया। इस पर 27 हजार 900 रुपए की राशि ली गई। इसके अलावा, एस्टल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने दो बार 27 हजार900 और 29 हजार 230 रुपए लिए गए थे। इसमें आदिम जाति कल्याण विभाग इंदौर के अधिकारी/कर्मचारी और आवेदक/आरोपी शरद सिंह सिसौदिया और अन्य के खिलाफ केस हुआ। राशि मिलने के बाद संस्था के जरिए राशि छात्र को नहीं दी गई, बल्कि बेयरर चेक से भुगतान किया गया।

इसी तरह महू के न्यू एरा एजुकेशन समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर 11 जुलाई 2014 में हुई थी। इसमें कॉलेज संचालकों ने बताया कि स्कॉलरशिप की 20 लाख की राशि अपर कलेक्टर को लौटा चुके हैं। वहीं लोकायुक्त ने बताया कि एससी, एसटी और ओबीसी के 659 छात्रों की 41.66 लाख रुपए की राशि ली गई। राशि मिलने के बाद 15 दिन में छात्रों के खाते में डालने की जिम्मेदारी संचालक और प्राचार्य की थी।

आरोपी अजय हार्डिया और पुष्पा वर्मा पर भी दिसंबर 2014 में केस हुआ था। यह केस 1.59 करोड़ रुपए की राशि को लेकर था। इसमें हार्डिया और वर्मा ने कहा कि मनीष शर्मा, रामअलच यादव और कविता कासलीवाल को जमानत मिली थी। इसलिए उन्होंने भी जमानत की मांग की थी। उधर, बीच-बीच में शासन ने कॉलेजों की कुर्की और वसूली की कार्रवाई की थी। हालांकि राशि की वसूली 1 करोड़ से ज्यादा की नहीं हुई है।

इस तरह हुआ घोटाला

इंदौर में साल 2012-13 में पैरामेडिकल कॉलेज का स्कॉलरशिप घोटाला सामने आया था। इस घोटाले की सूची में करीब 19 कॉलेज शामिल थे। आरोप है कि सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मिलकर इन कॉलेज संचालकों ने छात्रों के झूठे दस्तावेज से एडमिशन दिखाया था। इसकेसाथ ही, स्कॉलरशिप राशि ले ली। इस तरह 24 करोड़ रुपए से सरकारी राशि का गबन किया गया था। इस मामले में लोकायुक्त ने विविध कॉलेज संचालकों और सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ 2014 और 2015 के दौरान केस दर्ज किया। इसमें दस साल से जांच के बाद अब चालान पेश हो रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।